राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 16अक्टूबर2020 वर्ष–3, अंक –260 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली हिंसा के दो आरोपी राशिद सैफी और मो. शादाब को मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली हिंसा से जुड़े मामले में दो आरोपियों को जमानत दे दी। अदालत ने कहा है कि आरोपियों का किसी प्राथमिकी में नाम नहीं है और न ही उनके खिलाफ कोई विशिष्ट आरोप हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली हुए हिंसा के दौरान दयालपुर इलाके में एक दुकान में लूटपाट और आग लगाने के मामले में दोनों आरोपियों राशिद सैफी और मोहम्मद शादाब को जमानत दी है। दिल्ली पुलिस से आरोपियों की जमानत की मांग का विरोध करते हुए कि वे मामले में कथित तौर पर मुख्य साजिशकर्ता पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन के रिश्तेदार हैं। अदालत ने आरोपियों को 20-20 हजार रुपये के मुचलका और इतने ही रकम की जमानती जमा करने की शर्त पर रिहा करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा याचिकाकर्ता सैफी और शादाब का नाम न तो किसी प्राथमिकी में लिया गया है और न ही उनके खिलाफ कोई विशिष्ट आरोप हैं। साथ ही कहा कि पुलिस ने ऐसी कोई फुटेज भी पेश नहीं की जिसमें दोनों हिंसा की भीड़ में शामिल नजर आया हो। दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया

कि जांच के दौरान अपराध में दोनों की कथित भूमिका सामने आई और इसके बाद उनको गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अदालत को मामले में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। नागरिकता संशोधन कानून और एनआरसी के विरोध को लेकर उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा में 53 लोगों की मौत हो गई जबकि 200 से अधिक घायल हो गए।

छठ-दिवाली से पहले रेलवे का यात्रियों को तोहफा, पूर्व मध्य रेलवे चलाएगी 14 जोड़ी पूजा स्पेशल ट्रेन

हाजीपुर। कोरोना काल में ट्रेनों की संख्या अभी कम है, मगर पर्व-त्योहारों को देखते हुए रेलवे ने और अधिक स्पेशल ट्रेनों को चलाने का फैसला किया है। पूर्व मध्य रेल (ईसीआर) आगामी त्योहारों में यात्रियों की होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए उसके क्षेत्राधिकार के विभिन्न स्टेशनों से खुलने, पहुंचने और गुजरने वाली 14 जोड़ी पूजा स्पेशल ट्रेन चलाएगी। ईसीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने चलाई जाने वाली 14 जोड़ी पूजा स्पेशल ट्रेनों के बारे में विस्तृत ब्यौरा देते हुए बुधवार को बताया कि गाड़ी संख्या 03185 सियालदह-जयनगर पूजा स्पेशल ट्रेन का

ईसीआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने चलाई जाने वाली 14 जोड़ी पूजा स्पेशल ट्रेनों के बारे में विस्तृत ब्यौरा देते हुए बुधवार को बताया कि गाड़ी संख्या 03185 सियालदह-जयनगर पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन 20 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन किया जाएगा।

परिचालन 20 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रतिदिन किया जाएगा। इसी तरह 03186 जयनगर-सियालदह पूजा स्पेशल 20 अक्टूबर से 01 दिसंबर तक प्रतिदिन चलेगी। इस ट्रेन में वातानुकूलित द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के एक-एक, शयनयान श्रेणी के नौ तथा साधारण श्रेणी के पांच कोच होंगे। वहीं, 03021 हावड़ा-रक्सौल स्पेशल 20 अक्टूबर से 30 नवंबर तक तथा 03022 रक्सौल-हावड़ा स्पेशल 20 अक्टूबर से 01 दिसंबर तक प्रतिदिन चलेगी। कुमार ने बताया कि गाड़ी संख्या 03019 हावड़ा-काठगोदाम स्पेशल 20 अक्टूबर से 30 नवंबर तक तथा 03020 काठगोदाम-हावड़ा स्पेशल 22 अक्टूबर से 02 दिसंबर तक प्रतिदिन चलेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 02331 हावड़ा-जम्मूतवी स्पेशल 20 अक्टूबर से 28 नवंबर के बीच प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार एवं शनिवार को हावड़ा से जम्मू तवी के लिए खुलेगी। वहीं, 02332 जम्मूतवी-हावड़ा स्पेशल का परिचालन 22 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार, गुरुवार एवं रविवार को किया जाएगा।

कटरा में बनेगा देश का पहला बस पोर्ट, होटल, मोबाइल चार्जिंग से लेकर वाई-फाई तक की होगी सुविधा

नई दिल्ली। वैष्णों देवी के लाखों भक्तों के लिए खुश खबरी है। सरकार कटरा रेलवे स्टेशन के सामने एयरपोर्ट की तर्ज पर मॉर्डन बस पोर्ट बनाने जा रही है। बस पोर्ट में तीर्थ यात्रियों के लिए ठहरने के लिए बजट होटल, खाने के लिए बेहतरीन रेस्त्रां, मोबाइल चार्जिंग से लेकर वाई-फाई आदि की सुविधाएं होंगी। वहीं, बस, कार पार्किंग के अलावा ड्राइवर-कंडक्टर के विश्राम के लिए मोटल होंगे। देश का पहला कटरा मॉर्डन बस पोर्ट अगस्त 2022 तक बनकर तैयार हो जाएगा।

सड़क परिवहन मंत्रायल के सार्वजनिक उपक्रम राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लि. (एनएचआईडीसीएल) की ओर से कटरा मॉर्डन बस पोर्ट के लिए नियुक्त कंसल्टेंट ने फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार कर ली है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बस पोर्ट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगी और नए साल से पोर्ट बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। बस पोर्ट एनएचएआईडीसीएल अपने पैसे से बनवा रहा है, लेकिन बेहतर सुविधाओं व रख रखाव के लिए इसका संचालन निजी ऑपरेटर करेंगे।

अधिकारी ने बताया कि कटरा बस पोर्ट 30 एकड़ से अधिक भूमि पर बनाए जाएगा। और इसकी लागत पर 620 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। बस पोर्ट कटरा रेलवे स्टेशन के सामने महज 150 मीटर की दूरी पर होगा। जिससे सड़क परिवहन के अलावा ट्रेन से आने वाले तीर्थ यात्री भी बस पोर्ट की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। इसकी विशेषता यह होगी कि बस पोर्ट की कॉमर्शियल दुकानों में से 10 फीसदी स्थानीय एमएसएमई के लिए आरक्षित होंगी। जिससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिल सके और क्षेत्रीय उद्यमियों के सूक्षम-लघु उद्योग को गति मिलेगी।

कुछ घंटों के लिए भी मिल सकेगा होटल

उपक्रम के अधिकारी ने बताया कि आम तीर्थ यात्रियो के लिए कटरा मॉर्डन बस पोर्ट में होटलों में कुछ घंटों के लिए ठहरने की व्यवस्था होगी। जहां तीर्थ यात्री को बाथरूम, टॉयलेट, लॉकर आदि की सुविधा मिलेंगी। उसे पूरे दिन का किराया नहीं देना होगा। बस पोर्ट पर वाईफाई की सुविधा होगी। ऑनलाइन बस की टिकट खरीद सकेंगे। पोर्ट में रियल टाइम बड़े-बड़े इलेक्ट्रानिक बोर्ड होंगे, जिसमें देशभर से आने-जाने वाली बसों की जानकारी मिल सकेगी। इसके अलावा शॉपिंग कॉपलेक्स, सिनेमा हॉल, एसी वेटिंग हॉल, बसों, कारों व मोटर साइकिल के लिए पृथक कार पार्किंग की सुविधाएं होंगी।

सीबीएसई ने प्रिंसिपलों से पूछा 10वीं 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षा लें या नहीं

पटना। सीबीएसई ने 2021 की बोर्ड परीक्षा में 10वीं व 12वीं में प्रैक्टिकल परीक्षा ली जाए या नहीं इस पर देशभर के स्कूलों के प्राचार्यों से राय मांगी है। यह भी पूछा है कि जितने अंक के प्रैक्टिकल प्रश्न होते थे क्या उसे थ्योरी में शामिल कर लिया जाए और केवल सौ अंकों की थ्योरी पेपर ही ली जाए। प्राचार्यों से कुल दस बिंदुओ पर उनकी राय मांगी गयी है। उसी के अनुसार परीक्षा में बदलाव किया जायेगा। वहीं स्कूलों से विषयवार सिलेबस पूरा होने की जानकारी भी मांगी जा रही है। ज्ञात हो कि कोरोना के कारण प्रायोगिक कक्षाएं बिलकुल नहीं हो पायीं है। इसलिए यह रायशुमारी करायी जा रही है।

हो सकता है बदलाव

इस कवायद के बाद अनुमान लगाया जा रहा है कि बोर्ड परीक्षा में और बदलाव हो सकते हैं। 12वीं में भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित, राजनीति शास्त्र, एकाउंटेंसी और अर्थशास्त्र के सिलेबस को और कम किया जा सकता है। दसवीं में सोशल साइंस, गणित और सामाजिक विज्ञान में भी सिलेबस कम होंगे।

इन बिन्दुओं पर मांगी राय

- कितना सिलेबस और कम किया जाए
- विषयवार कितना सिलेबस पूरा हो पाया
- प्रायोगिक कक्षा की क्या व्यवस्था की गयी
- बोर्ड परीक्षा की तिथि 1 मार्च से बढ़ायी जाए
- क्या 60त्न भी सिलेबस पूरा हो पाया है
- कितने प्रतिशत छात्रों ने कक्षा अटेंड की है
- आंतरिक मूल्यांकन व अर्द्धवार्षिक परीक्षा कब-कब ली गयी

संयम भारद्वाज (परीक्षा नियंत्रक) ने कहा, स्कूल प्राचार्य से 2021 की परीक्षा को लेकर राय मांगी गयी है। जिस बिंदु पर सबसे ज्यादा राय आयेगी, उसी के अनुसार बोर्ड द्वारा निर्णय लिया जायेगा।

आम भारतीय की तरह बचत करते हैं-पीएम मोदी

बैंक बैलेंस से लेकर उनकी संपत्तियों का लेटेस्ट ब्योरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चल संपत्ति पिछले 15 महीनों में 36.53 लाख रुपये बढ़ी है। वे आम भारतीयों की तरह अपनी अधिकांश कमाई बचत खातों में ही जमा करते हैं। प्रधानमंत्री ने हाल ही में अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा की है। पिछले वित्त वर्ष में पीएम मोदी की चल संपत्ति में 26.26 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। यह 1,39,10,260 रुपये से बढ़कर 1,75,63,618 हो गई है।

आपको बता दें कि 12 अक्टूबर को प्रकाशित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संपत्तियों के विवरण में 30 जून तक की उनकी वित्तीय स्थिति को दर्शाया गया है। यह वृद्धि काफी हद तक पीएम के वेतन पर बचत के रूप में दिखाई गई है।

गांधीनगर में एक करोड़ का प्लॉट और घर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अचल संपत्ति में लगभग कोई बदलाव नहीं हुआ है। पीएम ने गांधीनगर में 1.1 करोड़ रुपये के प्लॉट और घर होने की बात कही है। वह अपने परिवार के साथ इसके एक हिस्सा के मालिक हैं।

हालिया रिपोर्ट से से पता चलता है कि प्रधानमंत्री जीवन बीमा, राष्ट्रीय बचत पत्र (एनएससी) और बुनियादी ढांचा बांड के जरिए ही कर बचत कर रहे हैं। परिसंपत्तियों और देनदारियों की घोषणा से यह भी पता चलता है कि उन्होंने एनएससी में अधिक निवेश किया है और उनका बीमा प्रीमियम कम हुआ है।

कोरोना के कारण राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों और संसद सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री के वेतन में भी 30 प्रतीशत की कटौती की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बचत

हालिया रिपोर्ट से से पता चलता है कि प्रधानमंत्री जीवन बीमा, राष्ट्रीय बचत पत्र (एनएससी) और बुनियादी ढांचा बांड के जरिए ही कर बचत कर रहे हैं। परिसंपत्तियों और देनदारियों की घोषणा से यह भी पता चलता है कि उन्होंने एनएससी में अधिक निवेश किया है और उनका बीमा प्रीमियम कम हुआ है। कोरोना के कारण राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों और संसद सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री के वेतन में भी 30 प्रतीशत की कटौती की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बचत खाते में 30 जून को 3.38 लाख रुपये थे। उन्होंने जून के अंत में 31,450 रुपये नकद अपने पास रखे।

खाते में 30 जून को 3.38 लाख रुपये थे। उन्होंने जून के अंत में 31,450 रुपये नकद अपने पास रखे।

फिक्स डिपॉजिट में इजाफा-भारतीय स्टेट बैंक की गांधीनगर शाखा में उसकी फिक्स डिपॉजिट राशि 30 जून 2020 तक बढ़कर 1,60,28,039 रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 1,27,81,574 रुपये थी। 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए दिए हलफनामे में उन्होंने इसकी घोषणा की थी।

पीएम मोदी के पास नहीं है कोई लोन-

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री के पास कोई देनदारियां नहीं हैं और उनके पास कार नहीं है। उसके पास सोने की चार अंगूठियां हैं। वह 8,43,124 रुपये के राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र के माध्यम से टैक्स सेविंग करते हैं। अपने जीवन बीमा के लिए 1,50,957 रुपये का प्रीमियम चुकाते हैं। प्रधानमंत्री के पास राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र के 7,61,646 रुपये थे और जीवन बीमा प्रीमियम के रूप में 1,90,347 रुपये का भुगतान किया।

सार्वजनिक जीवन में अधिक पारदर्शिता के लिए अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा 2004 में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की संपत्ति और देनदारियों का सार्वजनिक खुलासा किया गया था। संसद सदस्यों को भी, हर साल अपने परिवार की आय का एक बयान दर्ज करना पड़ता है और चुनाव नामांकन फॉर्म भरने के लिए संपत्ति और देनदारियों का एक हलफनामा देना होता है।

प्रधानमंत्री के अलावा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर सहित सभी वरिष्ठ मंत्रियों ने अपनी संपत्तियों का खुलासा किया है। रामदास अठावले, बाबुल सुप्रियो और प्रताप चंद्र सारंगी सहित कुछ जूनियर मंत्रियों ने अभी तक घोषणा नहीं की हैं।

दिल्ली-एनसीआर की हवा हुई और जहरीली, जनरेटर के इस्तेमाल पर पाबंदी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर को प्रदूषण से बचाने के लिए गुरुवार से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान यानी ग्रैप लागू हो जाएगा। इसके साथ ही डीजल, पेट्रोल और केरोसिन से चलने वाले जेनरेटर के इस्तेमाल पर अगले आदेश तक के लिए पाबंदी रहेगी। दिल्ली सरकार ने बुधवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली है। नोएडा में हालांकि अभी असमंजस है। जिलाधिकारी की ओर से गाइडलाइन के लिए शासन को पत्र लिखा गया है, अब बस जवाब का इंतजार है। नियम के उल्लंघन करने पर जुर्माना होगा, जिसका आकलन पर्यावरण को हने वाले नुकसान के आधार पर होगा।

टीमें करेंगे निगरानी

केंद्रीय प्रदूषण नियत्रणम बोर्ड के मुताबिक 50 टीमें 15 अक्तूबर से लेकर 28 फरवरी तक प्रदूषण की रोकथाम के उपाय देखेंगी। ये टीम दिल्ली के अलावा एनसीआर के शहरों का दौरा करेगी। प्रदूषण गतिविधियों के खिलाफ कड़ी नजर रखेगी। इसका फीडबैक एजेंसियों के साथ साझा किया जाएगा।

कई बिंदुओं पर अमल मुश्किल होगा-विशेषज्ञ

ग्रैप को लेकर कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड के चलते दिल्ली में इन नियमों को उतनी

सख्ती से लागू करना मुमकिन नहीं होगा जैसे वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में आने के बाद ऑड ईवन। इसी तरह निर्माण कार्यों पर रोक लगाना, क्योंकि पहले की लॉकडाउन के वजह से काम काफी प्रभावित हो चुके हैं। बड़े प्रोजेक्ट में लगी एजेंसियों और मजदूरों को इससे बड़ा झटका लगेगा।

बच्चों के लिए कोरोना का टीका बनाने पर काम शुरू, अमेरिकी कंपनी फाइजर को मिली अनुमति

नई दिल्ली। बच्चों के लिए कोरोना का टीका बनाने पर काम शुरू हो गया है। अमेरिकी कंपनी फाइजर को सरकार ने बच्चों पर टीके का परीक्षण करने की अनुमति दी है। कंपनी अगले सप्ताह ट्रायल शुरू करेगी। सबसे पहले 16 व 17 साल के किशोरों पर प्रयोगात्मक टीके का असर देखा जाएगा फिर 12 से 15 साल की आयु के बच्चों पर यह प्रयोग किया जाएगा। सिनसिनाटी बाल अस्पताल में टीका अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. रॉबर्ट फ्रेंक ने बताया कि 90 अभिभावकों ने अपने बच्चों को इस ट्रायल में शामिल कराने की इच्छा जताई है। हम शुरुआत में दर्जन भर बच्चों पर टीके का असर देखेंगे, फिर बड़े समूह पर परीक्षण किया जाएगा। हमें याद रखना होगा कि बच्चों व किशोरों में वायरस से मौत का खतरा कम पर यह शून्य नहीं है। अकेले अमेरिका में 50 हजार बच्चे संक्रमित हो चुके हैं। फ्रेंक के मुताबिक, बच्चों में अबतक जितने मामले आए हैं, असल में संक्रमण उससे ज्यादा है क्योंकि बच्चों में लक्षण बहुत गंभीर नहीं होते, इसलिए माता-पिता को सही अंदाजा नहीं लग पाता।

विशेषज्ञ की राय- बच्चों के लिए टीका बनाना जोखिम भरा-बच्चों की शारीरिक संरचना अलग होती है। उन्हें ट्रायल वैक्सीन की खुराक देना जानलेवा हो सकता

है। यही कारण है कि कंपनियां प्रयोगात्मक टीके की खुराक पहले वयस्कों को देकर इसका असर जांचती हैं। फिर इसे किशोरों और उसके बाद छोटे बच्चों को दिया जाता है।- डॉ. पॉल ऑफिट, पेनिसेल्विया विश्वविद्यालय के बाल रोग विशेषज्ञ

इन बातों पर चिंता

1. बच्चों का टीका बड़ों के बाद आएगा- क्लीनिकल इंफेक्शियस डिसीज जर्नल के मुताबिक, बच्चों के लिए कोविड टीका अगले साल सितंबर के बाद ही आ सकेगा क्योंकि अभी तो वयस्कों के लिए ही परीक्षण पूरे नहीं हुए हैं। हालांकि, उम्मीद है कि इस साल के अंत तक वयस्कों के लिए वैक्सीन आ जाएगी।

2. सिर्फ तीन कंपनियां बनाएंगी- सिर्फ तीन कंपनियों ने ही बच्चों पर ट्रायल वैक्सीन के परीक्षण की अनुमति मांगी है। ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका ने बच्चों पर परीक्षण शुरू कर दिया है। फाइजर अगले सप्ताह शुरूआत करेगी। तीसरी कंपनी चीन की सिनोवैक बायोटेक ने भी जल्द ही बच्चों पर ट्रायल शुरू करने की घोषणा की है।

3. गर्भवती महिलाओं पर भी ध्यान नहीं- गर्भवती व बच्चों को दूध पिलाने वाली मांओं के लिए अलग से टीका बनाने पर अभी ध्यान नहीं गया है। सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट नामक अमेरिकी थिंकटैंक ने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि जो अग्रिम पंक्ति के क्षेत्रों में काम कर रहीं महिलाएं इस श्रेणी में आती होंगी, सरकारें उन्हें कोरोना से कैसे सुरक्षित रख पाएंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विकास की प्रेरणा

भारत में विकास की रफ्तार अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही, जिसका नतीजा है, दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में विगत वर्षों से मजबूती से उभर रहा बांग्लादेश अब प्रति व्यक्ति आय में हमसे आगे हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा लगाया गया यह अनुमान जितनी बड़ी खुशखबरी है, उतनी ही बड़ी प्रेरणा भी। आईएमएफ की 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट' के अनुसार, मंगलवार को जारी भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 31 मार्च, 2021 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में 1,877 डॉलर होने की संभावना है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति जीडीपी के बढ़कर 1,888 डॉलर हो जाने की उम्मीद है। बांग्लादेश के विकास को अलग से रेखांकित करने की जरूरत है। एक देश जो संघर्ष, सूखा, बाढ़, गरीबी और जातीय हिंसा से होकर निकला है, वह अब पटरी पर है। एक समय था, जब बांग्लादेश से लोग मजबूर होकर पलायन करते थे, लेकिन अब समय है, जब विदेश से लोग बांग्लादेश नौकरी या उद्योग-धंधे के लिए जाने लगे हैं। विशेष रूप से अपनी आर्थिक मजबूती और संसाधनों का बांग्लादेश ने भरपूर उपयोग किया है, नतीजा सामने है। कैसे एक देश दुनिया के साथ मिलकर, सबसे सहयोग लेकर आगे बढ़ सकता है, दक्षिण एशिया के देश यह बांग्लादेश से सीख सकते हैं।

अपने विकास में सतत लगा हुआ एक पड़ोसी भारत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। वह दक्षिण एशिया में आकर्षण का नया केंद्र है। भारत को न सिर्फ पड़ोसी बांग्लादेश की हरसंभव मदद करनी चाहिए, बल्कि सीखना भी चाहिए। भारत एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसका विकास सबके लिए जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है, वित्त वर्ष 2020 में भारत की विकास दर माइनस 10.3 रहेगी, पर 2021 में भारत 8.8 प्रतिशत की विकास दर के साथ वापसी करेगा। कोरोना की वजह से आशंका जताई जा रही थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था को उबरने में दो-तीन साल लग जाएंगे, मगर भारत में जल्दी ही सकारात्मक दर की वापसी हो रही है। वैसे विकास की ऐसी वापसी से अभिभूत होने की भी जरूरत नहीं है। कोशिश यह करनी चाहिए कि कोरोना से हुई क्षति की भरपाई हम एक ही वर्ष में कर लें। 8.8 प्रतिशत की विकास दर मामूली नहीं होती, इसके साथ भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक हो जाएगा।

हालांकि, अभी भी बहुत कुछ ऐसा है, जो हम कर सकते हैं, ताकि अर्थव्यवस्था जल्द से जल्द पटरी पर लौट आए। जिन आर्थिक मोर्चों पर भारत को नुकसान हो रहा है, वहां प्राथमिकता से ध्यान देने की जरूरत है। वित्तीय नीति, मौद्रिक नीति के साथ ही मूलभूत ढांचे पर ध्यान देने के लिए खुद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इशारा किया है। जिस तरह से बांग्लादेश ने अपने यहां व्यापार को आसान बनाया है, ठीक उसी तरह से भारत को भी अपनी कोशिशों में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए। दुनिया की ज्यादातर अर्थव्यवस्थाएं संकट में हैं, पर भारत से उम्मीदें ज्यादा हैं। अगले साल चीन की अनुमानित विकास दर 8.2 प्रतिशत से अधिक रहेगी, पर उससे ज्यादा विकास दर भारत की रहेगी। ये आंकड़े दर्शा रहे हैं कि हमें मौके का पूरा लाभ उठाना होगा और इसके लिए यह भी मानना होगा कि अभी भारत में मंदी के विरल हालात हैं। कमियों को स्वीकार करने के बाद ही हमारी बढ़त की सच्ची शुरुआत होगी।

कोरोना से जीतता देश

मंगलवार को कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में तीन हफ्ते बाद सबसे बड़ी गिरावट आई। इनकी कुल संख्या 24 हजार घटकर 8,38,729 रह गई। वहीं, दो महीने में सबसे कम 55,342 मामले ही सामने आए। कह सकते हैं कि देश अब कोरोना से जंग जीतने की तरफ बढ़ने लगा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ने और नये मामले अपेक्षाकृत कम होने का लगातार पांचवां दिन है, जब सक्रिय मामलों की संख्या नौ लाख के नीचे रही। बताया गया है कि भारत उन देशों की सूची में शामिल है, जहां प्रति दस लाख आबादी पर संक्रमण और इससे मृत्यु दर सबसे कम है। अभी कोरोना संक्रमण के कुल मामले 71,75,880 प्रकाश में आ चुके हैं और ठीक हुए मरीजों की संख्या 62 लाख की संख्या को पार कर गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे के अंतराल में बीमारी से 706 लोगों की मौत हो जाने से देश में मरने वालों की संख्या 1,09,856 हो गई है। मृत्यु दर 1.53 प्रतिशत है। भारत के लिए संतोष की बात है कि प्रति दस लाख के आबादी पर यहां सबसे कम संक्रमण है। वैश्विक स्तर पर प्रति दस लाख पर कोविड-19 के मामलों की संख्या 4ग्794 है, और भारत में संक्रमण के 5,199 मामले सामने आ रहे हैं। ब्रिटेन में 8,893, रूस में 8,922, दक्षिण अफ्रीका में 11,675, अमेरिका में 23,072 और ब्राजील में 23,911 मामले सामने आ रहे हैं। कहना न होगा कि विश्व के इन देशों के बरक्स भारत में संक्रमण कम फैल रहा है। यह संतोष करने की बात जरूर हैग लेकिन लापरवाह नहीं बना जा सकता। रामलीलाओं के आयोजन की अनुमति दे दी गई है। आने वाले दिनों में स्कूलों को भी खोला जाना है। ऐसे में संक्रमण फैलने के माकूल हालात होंगे। जाहिर है कि जरा-सी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है। हमें सामाजिक दूरी बनाए रखने, मास्क पहनने और थोड़े-थोड़े अंतराल पर हाथों को धोने की कवायद करते रहना है। अपने आसपास और परिवेश में सैनिटाइजेशन की अनदेखी नहीं करनी है। तभी हम संक्रमण से मरने वालों की संख्या को कम कर सकेंगे। यह भी जरूरी है कि आने वाले त्योहारी समय और सर्दियों के मौसम में ज्यादा से ज्यादा एहतियात बरती जाए। भारत में संक्रमण के कमजोर पड़ने के बीच राहत की खबर यह भी है कि आगामी जनवरी महीने तक देश में एक से ज्यादा कंपनियों की वैक्सीन उपलब्ध हो जाएगी। जब तक तो हमें जरूर से जरूर सर्तक बने रहना होगा।

कटाक्ष/सहीराम

चोरी हो गई

बैंको की लूट के इस युग में चोरी की घटनाएं चर्चा में आएं, यह कोई बहुत उत्साहवर्धक स्थिति नहीं है, बल्कि देश के लिए शर्म की बात है। वैसे भी अब बैंकों की लूट क्लासी हो गई है। अब मुंह पर कपड़ा लपेटे गंदा सा थैला लिए और चाकू या कट्टा दिखाते हुए निम्नवर्गीय बैंक लूटेरे कहां दिखाई देते हैं। अब तो बड़े-बड़े सेठ होठों पर मुस्कुराहट और हाथों सूटकेस लेकर आते हैं और माल बटोरकर हवाई जहाज से उड़ जाते हैं। इसे गर्व के साथ कुलीन लूट कहा जा सकता। वैसे भी मुंह पर कपड़ा तो अब बड़े-बड़े नेता लपेटते हैं। कोरोना काल है न। फिर कोरोना काल में चोरियां भी कहां हो रही हैं। मजदूर-किसान भी चोरियों की बात नहीं कर रहे, कह रहे हैं उनके पेट पर, हकों पर डाका पड़ रहा है। पहले दिल चुराने की घटनाएं भी होती थीं, लेकिन अब इश्क कमीना हो गया है कि रेप करे बिना मानता ही नहीं, ज्यादा उदार हो जाए तो सामूहिक बलात्कार कर डालता है। अब इश्क में रकीब कहां रहे, अब तो यार हैं और वे प्यार नहीं, कांड़ करते हैं। इधर तो चेन झपटमारी की घटनाएं भी कहां हो रही हैं। हालांकि जेबकटी या झपटमारी के लिए मुफीद वक्त है। मॉस्क पहनना कोविड प्रोटोकाल के तहत आता है।

खैर, लूट के इस युग में चोरी की चर्चा देश का मॉरल गिराने वाली हो सकती है। जी नहीं, चर्चा बच्चा चोरों की और उनकी लिंचिंग की नहीं है। हालांकि वे भी मॉरल गिराने वाली नहीं होतीं, बल्कि और देशभक्तिवर्धक ही होती हैं। इससे चाइल्ड ट्रैफिकिंग की चर्चा भूल में पड़ जाती है। खैर, अच्छी बात यही है कि जिस चोरी की चर्चा हो रही है, उसमें समाज की तलछट वाले चोरों का हाथ नहीं है, बल्कि बैंक लूट की तरह क्लासी टच है। लग रहा है कि टुच्चे चोरों और डकैतों के दिन लद गए। अब वे ज्यादा से ज्यादा पॉकेटमारी कर सकते हैं या चेन झपटी। लेकिन इन क्षेत्रों में भी पता नहीं कब कुलीनों का धावा हो जाए जैसे परचून की दुकानों पर अंतरराष्ट्रीय सेठों का हो गया है। खैर, चर्चा है कि टीआरपी की चोरी हो रही है जिसमें बडे लोग शामिल हैं। बल्कि प्रतियोगिता सी चल रही है। लेकिन कुलीनता के बावजूद तू-तू, मैं-मैं की टिपिकल मध्यवर्गीय आदत नहीं जा रही। कमाल का वक्त है साहब-कभी डाटा चोरी होने लगता है और कभी टीआरपी। लोगों के पास पता नहीं कितना डाटा पड़ा है। कई बार तो लगता है कि डाटा बेचेन वाले फेरी वालों की तरह निकल पडेंगे आवाज लगाते हुए-डाटा ले लो डाटा! खैर, अभी तो टीआरपी की चोरी की चर्चा है, जिसके लिए ज्यादा शर्मिंदा होने की जरूरत नहीं क्योंकि आभिजात्यवर्गीय चोरी है।

सीमा पर अमन-चैन की राह

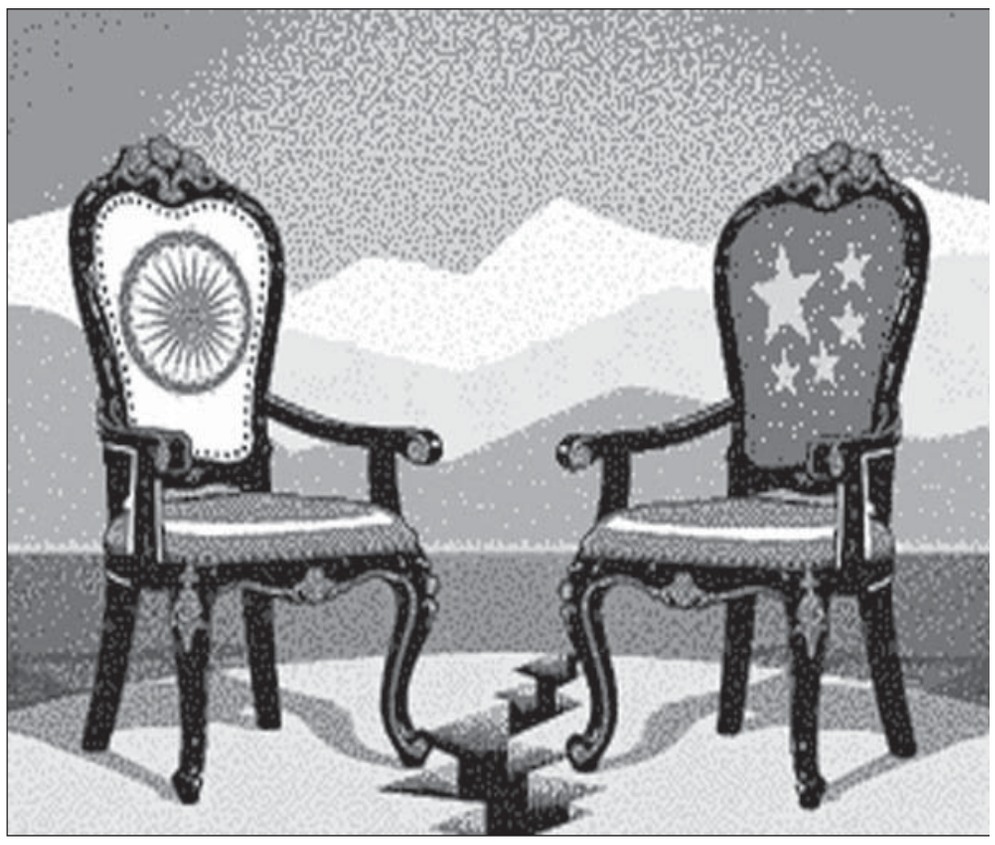

शशांक, पूर्व विदेश सचिव

भारत और चीन के बीच सातवें दौर की सैन्य वार्ता भी कमोबेश बेनतीजा रही। दोनों देशों के सैन्य कमांडरों की यह बातचीत सीमा विवाद के निपटारे के लिए हो रही है। बीच-बीच में दोनों राष्ट्रों के राजनेता और राजनयिक भी वार्ता की मेज पर बैठते रहते हैं। जैसे, पिछले दिनों भारतीय विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव, जो चीन से भली-भांति परिचित हैं, बातचीत में शामिल हुए थे। चीन की तरफ से भी ऐसा होता रहा है। मगर जिस मंशा के साथ सैन्य स्तर की वार्ता चल रही है, वह शायद ही पूरी होती दिख रही है। राजनीतिक और राजनयिक स्तर की बातचीत में भी बहुत ज्यादा प्रगति नहीं हो रही। हां, दोनों पक्ष हर बार यह एलान जरूर करते हैं कि समझौते के पुराने बिंदुओं व शासनाध्यक्षों के स्तर पर बनी सहमति के ऊपर दोनों देश तैयार हैं। इसका अर्थ है कि पुरानी संधियों से दोनों राष्ट्र पीछे नहीं हट रहे, लेकिन द्विपक्षीय बातचीत में कोई प्रगति भी नहीं हो रही है।

सवाल यह है कि ये वार्ताएं अपने अंजाम तक क्यों नहीं पहुंच पा रही हैं? इसकी बड़ी वजह चीन की गलतफहमी है। उसे लगता है कि भारत एशिया में अमेरिकी हितों का पोषण कर रहा है। चीन पहले अपनी ताकत के प्रदर्शन से बचा करता था, लेकिन अब वहां 'चाइना ड्रीम' की खुलकर चर्चा होने लगी है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह सपना, दरअसल दो आयामों को समेटे हुए है। पहला, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर, यानी 2020 तक यहां के समाज को साधन-संपन्न बनाना, और दूसरा, 2049 तक, यानी कम्युनिस्ट शासन के 100 साल पूरे होने तक राष्ट्र को आधुनिक और ताकतवर मुल्क की कतार में सबसे आगे लाना। चीन का यह सपना तभी पूरा हो सकता है, जब अमेरिका को सुपरपावर की गद्दी से बेदखल कर दिया जाए। चूंकि उसे लगता है कि भारत एशिया में अमेरिका का पिछलग्गू बन गया है (जो बिल्कुल सही नहीं है), वह हम पर दबाव बना रहा है।

इसी तरह, उसकी एक बेजा सोच यह भी है कि वह भारत को अपना आर्थिक उपनिवेश बना सकता है। आर्थिक विस्तारवाद की इस नीति का उसने श्रीलंका, नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे हमारे पड़ोसी देशों में खूब इस्तेमाल किया है। यही कारण है कि हमारे घरेलू मामलों में उसकी टीका-टिप्पणी बढ़ गई है और वह भारत के करीब-करीब हरेक कदम का विरोध करने लगा है। सीमा-विवाद को बेवजह हवा देना उसकी इसी रणनीति का हिस्सा है।

मगर इसका उसे खुद नुकसान हुआ है। भारत ने कभी चीन से प्रतिस्पर्द्धा करने की नहीं सोची। भारतीय नेतृत्व का यही मानना रहा है कि आने वाले वर्षों में चीन बेशक सबसे बड़ी वैश्विक ताकत बन जाए, लेकिन शीर्ष तीन आर्थिक ताकतों में भारत भी शुमार रहेगा। इसी सोच के तहत हम आगे बढ़ते रहे हैं। हम यही कहते भी रहे हैं कि वैश्विक मंचों पर चीन की अपनी जगह है और भारत की अपनी। मगर मई-जून महीने से जिस तरह से सीमा पर तनातनी का माहौल बना हुआ है, उससे चीन के प्रति अविश्वास की भावना गहरी हो गई है। इसे बढ़ाने का काम वहां का मीडिया भी कर रहा है, जो वक्त-बेवक्त 1962 की याद दिलाता रहता है।

> भारत और अमेरिका की राहें जुदा हैं। अगर चीन की घरेलू संस्थाएं दोनों को एक मानती हैं, तो उन्हें नए सिरे से भारत का अध्ययन करना चाहिए।

एक कमजोरी हमारी भी रही है। हम बहुत आशावाद में जीते हैं। चीन के साथ जब हमारी दोस्ती थी, तब हम आजीवन अच्छे दोस्त बने रहने की कसमें खाते थे, और आज जब अमेरिका से हमारी नजदीकी बढ़ी है, तो हम ऐसे सपने देखने लगे हैं कि आने वाले दिनों में नई दिल्ली और वाशिंगटन एक-दूसरे के पर्याय बन जाएंगे। जबकि इस उम्मीद को साकार होने में काफी वक्त लगेगा। हमें यह सच मान लेना चाहिए कि अमेरिका सिर्फ अपने हितों को साधना चाहता है। ताइवान, जापान, कोरिया, ऑस्ट्रेलिया या सिंगापुर जैसे देश उसके लिए महत्वपूर्ण हैं, भारत नहीं। इन देशों के साथ उसके कई तरह के संबंध हैं, जो कूटनीतिक, राजनीतिक व आर्थिक मंशा के तहत बनाए गए हैं। यही वजह है कि क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का संगठन) में एकजुटता दिखाने की बातें तो होती हैं, लेकिन उसका ऐसा कोई घोषणापत्र नहीं दिखता, जिसमें भारतीय हितों की वकालत की गई हो। अमेरिका दक्षिण चीन सागर में अपने पांव पसारना चाहता है, ताकि चीन पर वह दबाव बना सके। आलम यह है कि अमेरिकी कूटनीतिज्ञ भी दबी जुबान कहने लगे हैं कि यदि नई दिल्ली वाशिंगटन के करीब आना चाहती है, तो उसे अपनी घरेलू नीतियां बदलनी होंगी।

सवाल है कि इस सूरतेहाल में हमारी रणनीति क्या होनी चाहिए? सबसे पहले तो हमें चीन की गलतफहमियां दूर करनी चाहिए। उसे बताना होगा कि भारत और अमेरिका की राहें जुदा हैं, और अगर उसकी घरेलू संस्थाएं दोनों को एक मानती हैं, तो उनको नए सिरे से भारत का अध्ययन करना चाहिए। इसी तरह, उसे यह भी संदेश देना होगा कि अगर वह भारत से मित्रता चाहता है, तो उसे दबाव बनाने की रणनीति छोड़नी होगी। चीन को यह एहसास दिलाना भी जरूरी है कि उसकी माली हालत खराब है, उसके बैंक दिवालिया होने वाले हैं, बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) की वजह से उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि को धक्का लगा है और अमेरिका से तनाव उसकी अपनी नीतियों का नतीजा है।

इसका यह मतलब नहीं है कि वार्ता की मेज पर भारत नरम रुख अपनाए। उसे मजबूती से यह बात रखनी होगी कि भारत अपने हितों को लेकर संजीदा है और उससे कतई पीछे नहीं हट सकता। इसीलिए बीजिंग अमेरिका को निशाना बनाने के लिए भारतीय कंधे का इस्तेमाल न करे। बदलना चीन को है, और यदि उसे अमेरिका से लड़ना है, तो वह पहले अपने घरेलू हालात को सुधारे। भारत एक शांतिप्रिय देश है, लेकिन इसे उसकी कमजोरी न समझी जाए। भारत किसी भी देश से तनाव का कभी हिमायती नहीं रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

फर्जी विश्वविद्यालय और डिग्री

मुनाफे के तंत्र पर चोट कीजिये

कृष्ण प्रताप सिंह

अगर आप विद्यार्थी, शिक्षार्थी अथवा अभिभावक हैं और दशकों बाद आई नयी शिक्षा नीति में कही गई कुछ 'अच्छी-अच्छी' बातों के खुमार में डूबे हुए हैं तो यह आपके सचेत होने का समय है। न सिर्फ इसलिए कि अभी भी देश के बजट में शिक्षा पर निर्धारित खर्च अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंचा है और बढ़ते निजीकरण के कारण निर्बल आय वर्ग के छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल कर पाना आगे भी मुश्किल ही बना रहने वाला है। इसलिए पूंजी को ब्रह्म और मुनाफे को मोक्ष मानने वाली देश की वर्तमान व्यवस्था में फर्जीवाड़े शिक्षा क्षेत्र को भी अपनी जद में लेते जा रहे हैं।

लगातार फर्जीवाड़ों के कारण व्यावसायिक व गैर-व्यावसायिक शिक्षा क्षेत्रों के विशेषज्ञों व जानकारों की चिन्ता अब महज इतनी नहीं रह गई है कि शिक्षा को लगातार खरीद-बिक्री की वस्तु बनती जाने से रोककर भावी पीढ़ियों के चरित्र निर्माण, ज्ञान और रोजगार के अर्जन जैसे पवित्र उद्देश्यों की ओर कैसे मोड़ा जाये? अब वे इसे लेकर भी चिंतित हैं कि शिक्षा माफियाओं द्वारा किये जा रहे फर्जीवाड़ों से शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता बढ़ाने की कोशिशों को एकदम से बेकार हो जाने से कैसे बचाया जाये।

देश की विशाल जनसंख्या के अनुपात में जहां एक ओर पहुंच व गुणवत्ता बढ़ाने की ये कवायदें बेहद अपर्याप्त हैं, वहीं दूसरी ओर फर्जी शिक्षा संस्थानों व फर्जी डिग्रियों के गोरखधंधे तेजी से बढ़ रहे हैं। विडम्बना यह कि जब भी किसी अंचल से इस तरह के किसी गोरखधंधे का खुलासा होता है, सरकारें चौंक पड़ने का अभिनय करती हुई उनके खिलाफ दिखावे की सक्रियताएं दिखाती हैं, फिर उनकी चर्चा मद्धिम पड़ते ही अगले खुलासे तक के लिए सो जाती हैं। फिर भी किसी स्तर पर ऐसी व्यवस्था

करने की जरूरत नहीं समझी गई कि किसी के लिए अपनी पहुंच, प्रभुत्व या पैसे के बल पर फर्जी डिग्रियां पाना संभव न हो पाये।

लेकिन डिग्रियों की बात क्या की जाये, जब फर्जी विश्वविद्यालयों की भी बाढ़ आने लगी है। पिछले दिनों विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने देश के दो दर्जन फर्जी विश्वविद्यालयों की जो सूची जारी की है, वह हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि शिक्षा क्षेत्र के हालात कितने खराब हो चले हैं। इसे इस तथ्य से जाना जा सकता है कि इनमें में सात देश की राजधानी दिल्ली में पकड़ में आये हैं और आठ देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में। यहां यह भी गौरतलब है कि दो साल पहले 2018 में देश में जिन 277 फर्जी इंजीनियरिंग कॉलेजों की पहचान की गयी थी, उनमें भी सबसे अधिक देश की राजधानी में ही थे।

प्रसंगवश, नियम यह है कि विधायिका से स्वीकृत और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त होने के बाद ही शैक्षणिक संस्थाएं अपने लिए 'विश्वविद्यालय' शब्द का उपयोग कर सकती हैं या खुद के विश्वविद्यालयों के बराबर होने का उल्लेख कर सकती हैं। इस प्रक्रिया से न गुजरी किसी भी शैक्षणिक संस्था को डिग्रियां जारी करने का अधिकार नहीं है। लेकिन मामला इतना-सा ही नहीं है। फर्जी विश्वविद्यालयों की कारस्तानियां तो अपनी जगह पर रहें, कई विश्वविद्यालय जो फर्जी नहीं भी हैं, फंसाने वाले भ्रामक व आकर्षक विज्ञापनों के माध्यम से छात्रों को गुमराह कर उनका ऐसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश कर लेते हैं, जिन्हें संचालित करने का उन्हें अधिकार ही नहीं है। बात खुलती है तो गाज उनके बजाय प्रभावित छात्रों पर गिरती है।

पिछले साल बड़े पैमाने पर पैसे के बदले डिग्रियां देने के धंधे के खुलासे के बाद सरकार ने एक उच्चस्तरीय जांच समिति गठित की थी। तब इंजीनियरिंग और वकालत की डिग्रियों के साथ पीएचडी की डिग्रियां बेचे जाने के मामले भी सामने आये थे। उसमें लिप्त कुछ लोगों की धरपकड़ की कोशिशें भी की गई थीं, लेकिन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी फर्जी विश्वविद्यालयों की ताजा सूची गवाह है कि उक्त गड़बड़ घोटाले के पीछे जो संगठित माफिया गिरोह थे, उन पर लगाम नहीं लग पाई है। याद करना चाहिए कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रमुख ने भी कुछ समय पहले कहा था कि देश में 30 प्रतिशत से अधिक वकीलों की डिग्रियां फर्जी हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन व भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय का मानना है कि भारत में 57 फीसदी से अधिक डॉक्टर नकली सर्टिफिकेट के आधार पर दवाइयां दे रहे हैं, जबकि आम लोगों के लिए यह जानना भी आसान नहीं होता कि कौन-सा डॉक्टर या वकील असली है और कौन नकली?

बीते दशकों में रोजगारों व नौकरियों के स्वरूप में ऐसे बड़े बदलाव आये हैं, जिन्होंने इस तरह के गड़बड़ घोटालों को शह प्रदान की है। इन सबके बीच हम देश और उसकी युवा पीढ़ी के कैसे भविष्य की कल्पना कर सकते हैं?

दिजबो

निजीकरण के सवाल पर नूरा कुश्ती

सुशील देव

पानी के वितरण संवर्धन और संरक्षण को लेकर दिल्ली सरकार हमेशा चिंता करती रही है।

यह अच्छी बात है। मगर यह अच्छी बात नहीं है कि इन प्रबंधनों का अतिरिक्त बोझ दिल्लीवासियों की जेब पर पड़े। पानी या हवा जैसे जीवन के आवश्यक तत्व पर हर किसी का मौलिक अधिकार है। ऐसे में पानी के प्रबंधन को निजी हाथों में सौंपने की बात भी करना, किसी दु-स्वप्न से कम नहीं।

एक बार ऐसी चर्चा तेज हो गई थी कि पानी के प्रबंधन को लेकर दिल्ली सरकार दिल्ली जल बोर्ड को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी कर रही है। फिर क्या था, विपक्षी दलों में इसे लेकर खलबली मच गई। सफाई देने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आगे आना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी हालत में पानी का निजीकरण नहीं किया जाएगा। विपक्ष की आशंका गलत एवं बेबुनियाद हैं। बकौल केजरीवाल, मैं स्वयं इस पक्ष में नहीं हूं। भाजपा और कांग्रेस के नेताओं का आरोप है कि दिल्ली जल बोर्ड की हालत दयनीय है। आज भी टैंकर माफिया सक्रिय है। पाइपलाइन बदलना तो दूर कर्मचारियों की तनख्वाह भी समय पर नहीं मिल पाती। कइयों ने तो पानी की शुद्धता को लेकर भी सवाल उठाया है।

दिल्ली सरकार अगर निजीकरण की राह पर चलती है, तो जल बोर्ड के हजारों कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे। सनद रहे कि दिल्ली जल बोर्ड में काफी समय से नई भर्तियां भी बंद हैं। नई व्यवस्था के तहत पाइपलाइन बिछाने का काम इन दिनों निजी कंपनियों के हाथों में है। धीरे-धीरे यह प्रबंधन पूरी तरह जब निजी हाथों में चला जाएगा तो पानी दिल्लीवासियों के लिए महंगा हो जाएगा। पानी के बिना जीवन कितना मुश्किल होता है, हर इंसान को इसकी सहज ही समझ होती है।

एक जानकारी के मुताबिक दुनिया के 65 से अधिक देश पानी के निजीकरण का फैसला बदल चुके हैं, जबकि दिल्ली में इस दिशा में लगातार कोशिश की जा रही है। इस बाबत दिल्ली जल बोर्ड की कर्मचारी यूनियन ने कई बार विरोध र्प्दशन भी किए हैं। उनका मानना है कि अगर पानी का निजीकरण होता है, तो उनकी नौकरी खतरे में पड़ सकती हैं। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री ने जल वितरण की व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का सहारा लेने का फैसला किया है। दिल्ली सरकार मानती है कि पानी के प्रबंधन को ठीक करने और पानी की प्रत्येक बूंद को बचाने की जिम्मेदारी तय करने की व्यवस्था होनी चाहिए। इसलिए पानी के वितरण को बेहतर बनाने के लिए सरकार विशेषज्ञ और निजी कंपनियों से सहयोग ले रही है।

दिल्ली की आबादी लगभग दो करोड़ है। यहां हर आदमी के लिए रोजाना 176 लीटर पानी उपलब्ध है, जबकि पूरी दिल्ली में पानी के वितरण के लिए 930 मिलियन यानी 93 करोड़ गैलन का उत्पादन होता है। दिल्ली सरकार कहती है कि पानी की उपलब्धता बढ़नी चाहिए। इसलिए वह उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सरकार से बातचीत कर रही है। इससे हमें पता चल सकेगा कि पानी की एक-एक बूंद का इस्तेमाल कैसे हो और पानी की बर्बादी को कैसे रोका जाए? मुख्यमंत्री केजरीवाल मानते हैं कि पानी के प्रबंधन में कई प्रकार की खामियां हैं। मगर इसकी रोकथाम के लिए सबकी सही जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने इस बाबत आगामी 30 अक्टूबर तक राजधानी दिल्ली के अंदर पानी की बर्बादी को रोकने के लिए 'फ्लो मीटर' लगाने का फैसला किया है। खबर है कि इस महीने के आखिर तक करीब 3500 फ्लो मीटर लगा दिए जाएंगे। इसका मकसद पानी की बर्बादी को रोकना है। लेकिन उपभोक्ताओं को सरकार के इस फैसले को लेकर संशय है। यह कि वजह से उनके पानी का बिल तो नहीं बढ़ जाएगा! जनता जानना चाहती है कि आखिर, फ्लो मीटर की सच्चाई क्या है और सरकार को इसे लगवाने की जरूरत क्यों आन पड़ी? वहीं, केजरीवाल सरकार का जवाब है कि फ्लो मीटर से न केवल पाइपलाइन से होने वाली पानी की सप्लाई का पता लगाया जा सकेगा, बल्कि किसी भी लीकेज या चोरी का पता लगाना भी आसान हो जाएगा। सरकार की दलील है कि उसका संकल्प है, सभी लोगों को 24 घंटे और सातों दिन शुद्ध पानी मिले।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रतिदिन10 लाख टीके देने के लिए तैयार-अपोलो हॉस्पिटल्स

नई दिल्ली. स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अपोलो हॉस्पिटल्स समूह ने कहा है कि वह सरकार के कोरोना वायरस महामारी से निपटने के प्रयासों में मदद के लिए प्रतिदिन कोविड-19 के 10 लाख टीके 'देने' की व्यवस्था को तैयार है। अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप की कार्यकारी वाइस-चेयरपर्सन शोभना कामिनेनी ने बृहस्पतिवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि समूह सरकार के साथ मिलकर काम करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोगों को तेजी से और सुरक्षित तरीके से यह टीका दिया जा सके। उन्होंने कहा अपोलो हॉस्पिटल्स अपनी वैक्सीन शीत श्रृंखला को मजबूत कर रहा है। अपोलो की सभी सुविधाओं को इसके लिए तैयार किया जा रहा है। हम प्रतिदिन इस टीके की 10 लाख 'खुराक' देने के लिए तैयार हैं। कामिनेनी ने कहा, 'समूह के पास इसकी क्षमता है। हमने 10,000 पेशेवरों को इसके लिए प्रशिक्षित किया है। इन्हें समूह की फार्मेसी, क्लिनिक ओर अस्पतालों में तैनात किया जाएगा।' उन्होंने कहा, '30 प्रतिशत भारत अपोलो की सुविधाओं से मात्र 30 मिनट की दूरी पर है। प्रत्येक सुविधा में क्षमता है और हमारे पेशेवर सरकार के दिशानिर्देश के अनुसार टीका देने के लिए तैयार रहेंगे।'

महंगे आलू से राहत मिलने के आसार नहीं, नवरात्र में बढ़ेगी खपत

नई दिल्ली। बरसात का सीजन खत्म होने के बाद शाक-सब्जियों की नई फसल की आवक बढ़ने के साथ तमाम सब्जियों की कीमतों में थोड़ी नरमी आ सकती है। मगर आलू की महंगाई से बहरहाल राहत मिलने के आसार नहीं है, क्योंकि आगे नवरात्र शुरू हो रहा है और इस दौरान आलू की खपत हर साल बढ़ जाती है। देश की राजधानी दिल्ली स्थित आजादपुर मंडी में बीते कुछ दिनों से आलू का थोक भाव 12 रुपये से 51 रुपये प्रति किलो चल रहा है जबकि दिल्ली-एनसीआर में आलू (सामान्य वेरायटी) का खुदरा दाम 40 से 50 रुपये प्रति किलो चल रहा है। वहीं, खास क्वालिटी के आलू का खुदरा भाव ऊंचा है। आजादपुर मंडी पोटैटो ऑनियन मर्चेंट एसोसिएशन यानी पोमा के जनरल सेक्रेटरी राजेंद्र शर्मा बताते हैं कि नवरात्र के दौरान व्रत में लोग आलू खाते हैं, जिससे आलू की खपत इस दौरान बढ़ जाती है। नवरात्र इस साल 17 अक्टूबर से आरंभ हो रहा है और 25 अक्टूबर को दशहरे का त्योहार है जिसके साथ ही नवरात्र समाप्त हो जाएगा। शर्मा कहते हैं कि आलू के दाम में बढ़ोतरी की मुख्य वजह आवक में कमी है। आजादपुर मंडी में आलू की आवक पिछले साल से तकरीबन 40-50 फीसदी कम हो रही है। वहीं, कीमतों में पिछले साल से दोगुना से ज्यादा का इजाफा हो गया है। बताया जा रहा है कि आलू की महंगाई देख अच्छे भाव की उम्मीदों में किसानों ने आलू की खेती में पूरी ताकत झोंकी है। उत्तर-भारत में आलू की बुवाई शुरू हो चुकी है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत आने वाले और हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. मनोज कुमार के मुताबिक, रबी सीजन में आमतौर पर आलू की बुवाई सितंबर के आखिर में शुरू होती है और नवंबर तक चलती है, जबकि हार्वेस्टिंग दिसंबर से मार्च तक चलती है। हालांकि, कारोबारी बताते हैं कि अगैती फसल की आवक नवंबर के आखिर में शुरू हो सकती है। बीते फसल वर्ष में आलू का उत्पादन ज्यादा होने के बाजवूद आलू के दाम में इस साल काफी बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी दूसरे अग्रिम उत्पादन के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019-20 के दौरान देश में आलू का उत्पादन 513 लाख टन हुआ, जबकि एक साल पहले 2018-19 में देश में आलू का उत्पादन 501.90 लाख टन हुआ था। यही नहीं, कोरोना काल में लॉकडाउन के चलते होटल, रेस्तरां, ढाबा आदि काफी समय तक बंद रहने पर भी सब्जियों की खपत में गिरावट रही है। आलू की महंगाई का असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ा है क्योंकि बरसात के दौरान आमतौर पर हरी शाक-सब्जियां जब महंगी हो जाती हैं तो आमलोगों के लिए आलू ही एक सहारा बच जाता है, लेकिन इस बार उनको आलू भी महंगे भाव पर मिल रहा है।

अडाणी ग्रीन ने 205 मेगावॉट की सौर परिसंपत्तियां टोटल के साथ संयुक्त उद्यम को स्थानांतरित कीं

नई दिल्ली।

अडाणी ग्रीन एनर्जी लि. (एजीईएल) ने 205 मेगावॉट की सौर परिसंपत्तियां अपने संयुक्त उद्यम कारोबार को 1,632 करोड़ रुपये में स्थानांतरित की हैं। कंपनी का यह संयुक्त उद्यम फ्रांस की ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टोटल एसए के साथ है।

एक और अधिग्रहण पूरा किया

बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि उसने इससे पहले भारत में 2,148 मेगावॉट की सौर परिसंत्तियों के लिए टोटल के साथ 50-50 का संयुक्त उद्यम बनाया था। कंपनी ने कहा, 'संयुक्त उद्यम को 1,632 करोड़ रुपये में 205 मेगावॉट की परिचालन वाली सौर परिसंपत्तियों के स्थानांतरण के साथ संयुक्त उद्यम ने करार के तहत एक और अधिग्रहण पूरा कर लिया है।' अब संयुक्त उद्यम के पास कुल परिचालन वाला अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो 2,353 मेगावॉट है।'

गौतम अडाणी ने जताई खुशी

कंपनी ने कहा कि यह सौदा एजीईएल तथा टोटल की संयुक्त उद्यम को आगे बढ़ाने तथा अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भागीदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा, 'हम टोटल के साथ अपनी भागीदारी के विस्तार से काफी खुश हैं। हम उनके साथ अपने संयुक्त उद्यम मंच को आगे बढ़ाने को प्रतिबद्ध हैं। यह हमारी 2025 तक 25 गीगावॉट की अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की महत्वाकांक्षा के अनुरूप है।'

माइक्रोसॉफ्ट ने 2019 में 1300 करोड़ द्वेषपूर्ण ईमेल ब्लॉक किए

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट ने 2019 में 1300 करोड़ से अधिक द्वेषपूर्ण और संदिग्ध मेल ब्लॉक किए, जिनमें से 100 करोड़ से अधिक क्रेडेंशियल हमले वाले मेल थे। टेक दिग्गज साल 2020 में कोविड-19 से जुड़ी गलत सूचनाओं से निपटने में व्यस्त रहा, क्योंकि साइबर अपराधी लगातार विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठनों जैसे विश्वसनीय स्रोतों की नकल करने के लिए यूजर्स को दुर्भावनापूर्ण लिंक और अटैचमेंट पर क्लिक करने का लालच दे रहे थे। माइक्रोसॉफ्ट की वार्षिक डिजिटल डिफेंस रिपोर्ट के अनुसार, कोविड जैसे विषयों वाले हमले के लिए साइबर अपराधी अपने नेटवर्क या लोगों पर जासूसी करने के लिए प्रमुख सरकारी स्वास्थ्य सेवा, शैक्षणिक और वाणिज्यिक संगठनों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले साल 90 प्रतिशत राष्ट्र व राज्य के नोटिफिकेशन उन संगठनों को भेजी गई हैं, जो महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का संचालन नहीं करते हैं, इनमें गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), एडवोकेसी ग्रूप, मानवाधिकार संगठन और थिंक टैंक शामिल हैं।' चीन, अमेरिका और रूस सबसे ज्यादा प्रभावित थे, लेकिन दुनिया के हर देश को कम से कम एक कोविड-19 थीम हमले का सामना करना पड़ा।

पीएसीएल मामला: सेबी ने दावा आवेदनों में गलतियां सुधारने के लिए 31 अक्टूबर तक समय दिया

नयी दिल्ली, पीएसीएल मामले में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की एक उच्च अधिकार प्राप्त समिति ने निवेशकों को उनके 7,000 रुपये तक के दावे वाले आवेदन में 31 अक्टूबर तक गलतियां सुधारने का मौका दिया है। सेबी की यह समिति निवेशकों के रिफंड की गतिविधियां देख रही है। सेबी ने कहा कि इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए एक पोर्टल चालू किया गया है। पीएसीएल के निवेशक इस पोर्टल पर उनके दावा आवेदन की मौजूदा स्थिति देख सकते हैं। पीएसीएल ने लोगों से कृषि और रीयल एस्टेट कारोबार के नाम पर धन जुटाया था। सेबी ने कंपनी को 18 साल में गैरकानूनी सामूहिक निवेश योजना के माध्यम से 60,000 करोड़ रुपये जुटाने का दोषी पाया। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आर. एम. लोढ़ा की अध्यक्षता वाली इस समिति को पीएसीएल के निवेशकों का धन लौटाने की गतिविधि के प्रबंधन का जिम्मा दिया गया। समिति ने जुलाई में 5,001 से 7,000 रुपये का रिफंड दावा करने वालों को उनके आवेदन में गलतियां सुधारने का मौका दिया था। इसके लिए एक वेबपोर्टल एक अगस्त से शुरू किया गया। अब समिति ने इन संशोधित आवेदनों को स्वीकार करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तय की है।

त्रिचुरापल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट का होगा कायाकल्प, पैसेंजर को मिलेगी ये सुविधाएं

बिजनेस डेस्क।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया देश के विभिन्न एयरपोर्ट का कायाकल्प करने में लगी हुई है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए त्रिचुरापल्ली एयरपोर्ट का भी कायाकल्प किया जा रहा है। इस एयरपोर्ट में एक नया इंटीग्रेटेड पैसेंजर टर्मिनल बिल्डिंग और एयर ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर बनाया जा रहा है। उम्मीद लगाई जा रही है कि इस परियोजना के पूरा होने से रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

इन सुविधाओं से लैश होगा नया टर्मिनल बिल्डिंग

त्रिचुरापल्ली एयरपोर्ट में 951.28 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं और बन रहे नए टर्मिनल बिल्डिंग में कई वैश्विक स्तर की सुविधाएं होंगी। मौजूदा टर्मिनल बिल्डिंग में यात्रियों की बढ़ रही संख्या को देखते हुए काफी दबाव है। नए टर्मिनल बिल्डिंग के बन जाने के बाद पीक ऑवर में 2900 से अधिक यात्रियों को हैंडल किया जा सकेगा। नए टर्मिनल बिल्डिंग में 48 चेक इन काउंटर्स और 10 बोर्डिंग ब्रिज होंगे। बन रह नए टर्मिनल बिल्डिंग का डिजायन इस तरह से बनाया जा रहा है ताकि ऊर्जा की खपत कम से कम हो। इस टर्मिनल बिल्डिंग को 75 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बनाया जा रहा है, जिसका लुक काफी आकर्षक और आइकोनिक होगा। टर्मिनल बिल्डिंग का इंटीरियर डिजायन में इस शहर का रंग और संस्कृति की छाप होगी। कावेरी नदी के किनारे बसे त्रिचुरापल्ली एयरपोर्ट आने और जाने वाले यात्री शहर की संस्कृति और कला को इस नए टर्मिनल बिल्डिंग में देख पाएंगे।

पीएम मोदी कर चुके हैं शिलान्यास

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 फरवरी 2019 को इस कार्य परियोजना का शिलान्यास किया था। करीब डेढ़ साल में ही नए टर्मिनल बिल्डिंग का काम 40 फीसदी से अधिक पूरा हो गया है।निर्माण परियोजना में नया एप्रोन, टेक्सीवेज, आइसोलेशन बे, कंट्रोल रुम का निर्माण, इक्विपमेंट रुम, टर्मिनल राडार, राडार साइमूलेशन, ऑटोमेशन सुविधाएं, वीएचएफ, एएआई का ऑफिस और मेटरियोलॉजिकल ऑफिस बनाया जाएगा। इस परियोजना को पूरा करने का कार्य मार्च 2022 तक रखा गया है।

रैपिडो ने 14 भारतीय शहरों में ऑटो सेवा शुरू की

नई दिल्ली । बाइक टैक्सी सेवा प्रदाता रैपिडो ने गुरुवार को 10 राज्यों के 14 शहरों में अपनी ऑटो सेवाएं शुरू की। कंपनी के अनुसार, इसकी यह सेवा यात्रियों को अपने घर के आराम और सुरक्षा से अपने रोजमर्रा के आवागमन के लिए ऑटो बुक करने की अनुमति देगी। रैपिडो ने कहा कि यह ऑटो चालकों और ग्राहकों के लिए दी जाने वाली सेवाओं के मूल्य निर्धारण में मानकीकरण लाएगा। रैपिडो के सह-संस्थापक अरविंद शंकर ने कहा, कोरोना महामारी के बीच बाइक टैक्सी के बाद अ1टो सबसे पसंदीदा माध्यम के रूप में उभरा है। यह मार्केट काफई व्यापक है और इसका सिर्फ पांच फीसदी हिस्सा ही ऑनलाइन हो सका है।''यह सेवा अतिरिक्त न्यूनतम सुविधा शुल्क के साथ मीटर की कीमत पर उपलब्ध होगी। कंपनी की योजना 2020 तक भारत के 50 शहरों में ऑटो सेवा का विस्तार करने की है।

शेयर बाजार में कोहराम, निवेशकों को हुआ करोड़ों का नुकसान, निफ्टी में भी गिरावट दर्ज

मुंबई:

सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन को शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली। जहां, पिछले 10 कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगा और सेंसेक्स 1,066.33 अंक लुढ़क गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,066.33 अंक यानी 2.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,728.41 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 290.70 अंक यानी 2.43 प्रतिशत टूटकर 11,680.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में बजाज फाइनेंस रही। इसमें करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आयी। उसके बाद टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक, एसबीआई और रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान रहा। एशियन पेंट्स एकमात्र शेयर है, जो लाभ में रहा। आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख (फंडामेंटल) नरेंद्र सोलंकी ने कहा, ''एशिया के अन्य बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच घरेलू बाजार गिरावट के साथ खुला। प्रोत्साहन संबंधी चिंता के बीच दुनिया के अन्य बाजारों में गिरावट रही।'' दोपहर के बाद बाजार में और गिरावट आयी आईटी, प्रौद्योगिकी तथा दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में शुरूआत में बिकवाली देखी गयी। बाद में बैंक, दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) समेत दूसरे क्षेत्रों में यह स्थिति देखने को मिली। उन्होंने कहा, ''बिकवाली का प्रमुख कारण यूरोपीय बाजारों से आयी नकारात्मक खबरें हैं। एक तरफ प्रोत्साहनों को लेकर उम्मीदें कमजोर हुई और दूसरी तरफ कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण कुछ शहरों में फिर से 'लॉकडाउन% से बाजार में गिरावट रही। दुनिया के अन्य बाजारों में एशिया में चीन का शंघाई, हांगकांग, जापान में तोक्यो और दक्षिण कोरिया के सोल में 2 प्रतिशत तक की गिरावट आयी। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में 3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गयी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42.38 पर कारोबार कर रहा था। विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 5 पैसे की गिरावट के साथ 73.36 पर बंद हुआ।

रुपए ने शुरुआती लाभ गंवाया, पांच पैसे टूटकर 73.36 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी डॉलर की मजबूती तथा घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को रुपये ने शुरुआती लाभ गंवा दिया और यह डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की गिरावट के साथ 73.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 73.32 रुपये पर खुला तथा कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की गिरावट के साथ 73.36 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बुधवार को बंद भाव 73.31 रुपये प्रति डॉलर था। कारोबार के दौरान विनिमय दर में 73.22-73.41 के दायरे में घट-बढ़ हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि कोविड-19 के बढ़ते मामले और अमेरिकी प्रोत्साहन पैकेज को लेकर अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। इसके अलावा डॉलर के मजबूत होने और घरेलू शेयरों में भारी बिकवाली से भी रुपये की धारणा प्रभावित हुई। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डॉलर की घट-बढ़ दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.34 प्रतिशत मजबूत होकर 93.69 पर पहुंच गया। शेयर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल बने हुए हैं। उन्होंने बुधवार को शुद्ध रूप से 821.86 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

कोविड-19 के चलते महामंदी के बाद सबसे गहरी मंदी से जूझ रही है दुनिया: विश्व बैंक

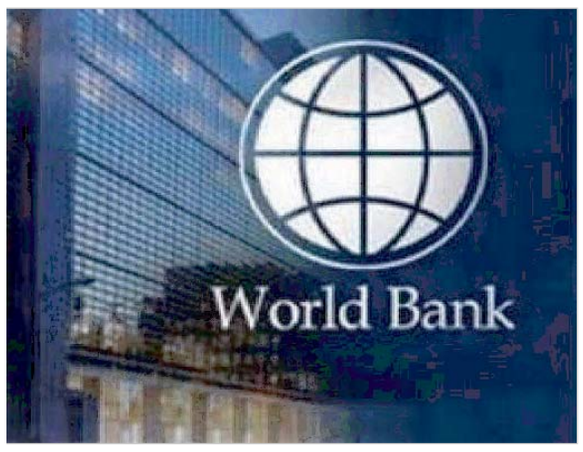

वाशिंगटन।

विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपास ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के चलते दुनिया 1930 के दशक की महामंदी के बाद से सबसे गहरी मंदी से जूझ रही है और उन्होंने कोविड-19 महामारी को कई विकासशील और सबसे गरीब देशों के लिए 'भयावह घटना' बताया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि आर्थिक संकुचन की सीमा को देखते हुए कई देशों में ऋण संकट का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक के मौके पर बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि यहां बैठकों में इस मुद्दे पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा, 'मंदी बहुत गहरी है, महामंदी के बाद से सबसे बड़ी मंदी में एक है। और कई विकासशील देशों तथा सबसे गरीब देशों के लोगों के लिए ये वास्तव में अवसाद की एक भयावह घटना है।' उन्होंने कहा कि इस बैठक और कार्रवाई का केंद्र बिंदु इन देशों को राहत पहुंचाना है तथा विश्व बैंक इन देशों के लिए एक बड़ा वृद्धि कार्यक्रम तैयार कर रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विश्व बैंक को लगता है कि इस समय 'के' आकर का सुधार हो रहा है। 'के' आकार के सुधार का अर्थ मंदी के बाद दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अगल-अगल दर से सुधार का होना है।

राइट्स इश्यू के जरिए 500 करोड़ रुपए जुटाएगा लक्ष्मी विलास बैंक, बोर्ड से मिली मंजूरी

नई दिल्ली।

नकदी संकट से जूझ रहे लक्ष्मी विलास बैंक (एलवीबी) को उसके निदेशक मंडल ने राइट्स इश्यू से 500 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में एलवीबी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल की 15 अक्टूबर को हुई बैठक में राइट्स इश्यू के जरिये इक्विटी शेयर या इसी तरह की अन्य पात्र प्रतिभूतियां जारी और आवंटित कर 500 करोड़ रुपये तक जुटाने की मंजूरी दे दी।

क्लिक्स ग्रुप से मिला है विलय प्रस्ताव

निजी क्षेत्र के बैंक ने पिछले सप्ताह सूचित किया था कि उसे गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी क्लिक्स ग्रुप से विलय के लिए गैर-बाध्यकारी पेशकश मिली है। चेन्नई स्थित पुरानी पीढ़ी का यह बैंक काफी समय से निवेशक और पूंजी की तलाश में है। सितंबर के आखिर में बैंक को उस समय झटका लगा था जब उसके शेयरधारकों ने बोर्ड के सात निदेशकों को बाहर करने के पक्ष में मतदान किया था। इनमें मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एस सुंदर और प्रवर्तक के आर प्रदीप और एन साइप्रसाद भी शामिल हैं।

बैंक पहले भी कर चुका है विलय की कोशिश

बता दें कि लक्ष्मी विलास बैंक पहले भी विलय की कोशिश कर चुका है। बैंक ने श्रेई कैपिटल और इंडिया बुल्स हाउसिंग फाइनेंस के साथ विलय की योजना बनाई थी। हालांकि आरबीआई विलय के इन दोनों प्रस्तावों को कुछ निश्चित मुद्दों के कारण रद्द कर चुका है। गुरूवार को लक्ष्मी विलास बैंक का शेयर बीएसई में 4.10 फीसदी गिरकर 17.55 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुआ है।

इरडा ने कहा, 'सरल जीवन बीमा' योजना एक जनवरी तक पेश करें जीवन बीमा कंपनियां

नई दिल्ली।

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने जीवन बीमा कंपनियों को एक जनवरी 2021 तक एक मानक 'सरल जीवन बीमा' बीमा पॉलिसी पेश करने का निर्देश दिया है। इस तरह की पॉलिसी से ग्राहकों को बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

जानें क्या हैं सरल जीवन बीमा' पॉलिसी

इरडा ने कहा कि 'सरल जीवन बीमा' पॉलिसी शुद्ध रूप से एक सावधि जीवन बीमा योजना होगी। जिसे 18 से 65 वर्ष की उम्र का कोई भी व्यक्ति ले सकेगा और इसकी अवधि चार से 40 साल तक होगी। दिशानिर्दशों के मुताबिक इस बीमा योजना के तहत व्यक्ति पांच लाख से लेकर 25 लाख रुपये तक का बीमा करा सकता है। यह 50,000 रुपये के गुणकों में होगा।

एक जनवरी 2021 से जीवन बीमा पेश करना अनिवार्य

इरडा ने कहा, 'सभी जीवन बीमा कंपनियों को एक जनवरी 2021 से मानक जीवन बीमा उत्पाद पेश करना अनिवार्य होगा। उन्हें इसके लिए नया प्रीमियम लेनदेन की अनुमति होगी।' बाजार में विभिन्न तरह के टर्म उत्पादों को देखते हुए इरडा ने यह मानक उत्पाद तैयार किया है। मौजूदा योजना आपस में शर्तें इत्यादि को लेकर बहुत अलग-अलग हैं जिससे ग्राहक को एक विवेकपूर्ण निर्णय लेने में दिक्कत आती है। इस बारे में बजाज आलियांज लाइफ के मुख्य वित्त अधिकारी भारत कलसी ने कहा कि इरडा के दिशानिर्देश बाजार और देश की जरूरत के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा कि हम मानक उत्पाद का स्वागत करते हैं। यह लोगों के बीच बीमा उत्पाद को लेकर जागरुकता बढ़ाने में मदद करेगा

पेटीएम ने लॉन्च किया अपना मिनी एंड्रायड एप्प स्टोर

नई दिल्ली।

गूगल द्वारा अपने प्ले स्टोर से हटाए जाने से आहत भारत के अग्रणी डिजिटल पेमेंट्स प्लेटफार्म-पेटीएम ने सोमवार को स्थानीय एप्प डेवलपर्स को मदद पहुंचाने और उनकी नवीन सोच को लोगों तक पहुंचाने के मकसद से एक एंड्रायल मिनी एप्प स्टोर लॉन्च किया। पेटीएम ने कहा है कि वह नई मिनी एप्स की लिस्टिंग और डिस्ट्रीब्यूशन का काम अपने एप्प के माध्यम से करेगा और इसके लिए कोई भुगतान नहीं करना होगा। पेमेंट के लिए डेवलपर्स अपने यूजर्स को पेटीएम वॉलेट, पेटीएम पेमेंट्स बैंक, यूपीआई, नेट बैंकिंग और कार्ड्स का ऑब्शन दे सकते हैं। 300 से अधिक एप्प आधारित सर्विस प्रोवाइडर जैसे कि डेकाथलन, ओला, पार्क प्लस, रेपिडो, नेटमेड्स, 1एमजी, डोमिनोज पिज्जा, फ्रेशमेन्यू, नोब्रोकर पहले ही इस प्रोग्राम में शामिल हो चुके हैं। पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शंकर शर्मा ने कहा, ÷पेटीएम मिनी एप्प स्टोर युवा भारतीय डेवलपर्स को हमारे प्लेटफार्म के माध्यम से पेमेंट हासिल करने और इनोवेटिव सर्विस देने का मौका मिलेगा। पेटीएम यूजर्स के लिए यह सीमलेस एक्सपीरिएंस होगा और इसके लिए अलग से कोई डाउनलोड नहीं करना होगा। इससे वे अलग-अलग तरह के पेमेंट ऑप्शंस के साथ अपने पसंदीदा एप्स का लाभ ले सकेंगे।÷ मिनी एप्प स्टोर को खासतौर पर मोबाइल वेबसाइट के लिए तैयार किया गया है और इन्हें बिना डाउनलोड किए ही एप्प जैसा अनुभव हासिल किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

छेत्री ने कोहली से कहा, जीत से ज्यादा हार से सीखा

दुबई। भारतीय फुटबाल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने कहा है कि उन्होंने अपने जीवन में जीतों से ज्यादा हार से सीखा। छेत्री ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली से इंस्टाग्राम पर बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि जीवन में मैंने जीत से ज्यादा हार से सीखा है। मैं जब कुछ समय के लिए लगतार जीत रहा था तो मुझे लगा कि मैं लापरवाह सा हो गया था। छेत्री की बात से कोहली सहमत दिखे और कहा, हां, आप समझते हैं कि आप जीत से ज्यादा हार से सीख सकते हैं। जब आप जीतते हैं तो आप कई चीजों पर शायद ही ध्यान देते हो। लेकिन मैंने महसूस किया है कि हमें जीत पर भी गौर करना चाहिए। आपके पास सुधार करने और बेहतर होने के लिए हमेशा कुछ न कुछ होता है। अगर आप हार और जीत में निरंतरता बनाए रखते हैं तो आगे जाकर ज्यादा संतुलित हो जाएंगे। छेत्री भारत के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में पहले स्थान पर हैं जबकि पूरे विश्व में वह इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। कोहली ने जब छेत्री से उनकी प्रेरणा के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, किसी तरह की तुलना नहीं। मैं इसे लेकर खुशी महसूस करता हूं और भूल जाता हूं। फुटबाल खेलना मजा है और फिर जो प्यार मिलता है वो अविश्वनस्नीय है। मैंने कभी इसके बारे में सोचा भी नहीं था। उन्होंने कहा, मेरे पास जो है मैं वो सब दे देना चाहता हूं।

आईपीएल-13

कोलकाता के लिए मुश्किल होगी इनफॉर्म मुंबई की चुनौती

अबू धाबी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण में शुक्रवार को मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। लीग के पहले हाफ में जब ये दोनों टीमें भिड़ी थीं तो मुंबई ने जीत हासिल की थी। मुंबई का फॉर्म भी शानदार है और इसलिए उसका पलड़ा कोलकाता पर भारी लग रहा है। इसका एक कारण और है, मुंबई की फॉर्म और उसकी टीम में मौजूदा संतुलन। वहीं, कोलकाता अभी तक सही संयोजन नहीं खोज पाई है, खासकर उसकी बल्लेबाजी में कई पेंच हैं। सलामी जोड़ी उसे अब तक मजबूत नहीं मिली। सुनील नरेन और शुभमन गिल के साथ लीग के शुरूआती मैचों में जाने वाली कोलकाता ने बाद में राहुल त्रिपाठी और गिल को आजमाया। यह जोड़ी काफी हद तक सफल भी रही लेकिन पिछले मैच में टॉम बेंटन को मौका मिला था लेकिन वो असफल रहे थे। बेंटन जिस तरह के बल्लेबाज हैं उससे उन्हें एक मैच की असफलता पर परखना गलत होगा। वह टी-20 में अपना लोहा मनावा चुके हैं बस कमी है, तो कोलकाता की जर्सी में उनके बल्ले के बरसने की, काबिलियत उनमें भरपूर है। गिल ही एक ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्हें कोलकाता की टीम में इन फॉर्म बल्लेबाज कहा जा सकता है, बाकी कोई कुछ खास नहीं कर पाया है। कप्तान दिनेश कार्तिक ने एक मैच में अर्धशतक लगाया था लेकिन फिर वो पटरी पर से उतर गए हैं, कब लौटेंगे खुद कार्तिक भी शायद इस बात का जवाब नहीं दे सकें। कोलकाता के लिए सबसे बड़ी निराशा उसकी सबसे बड़ी उम्मीद का विफल रहना रही है और वो उम्मीद हैं आंद्रे रसेल। एक भी मैच में रसेल अपना तूफानी रूप नहीं दिखा पाए हैं। काफी देर हो जाए इससे पहले जरूरी है कि रसेल जल्दी फॉर्म में लौटें। गेंदबाजी कोलकाता के लिए ज्यादा बड़ी समस्या नहीं है। कमलेश नागरकोटी, प्रसिद्ध कृष्णा और शिव मावी ने अनुभवी पैट कमिंस और रसेल के साथ मिलकर अच्छा किया है। यह गेंदबाजी आक्रमण मुंबई के इन फॉर्म बल्लेबाजी आक्रमण को रोक पाता है या नहीं यह मैच में देखने को मिलेगा। मुंबई का हर बल्लेबाज फॉर्म में है, कप्तान रोहित शर्मा और क्विंटन डी कॉक की सलामी जोड़ी ने मिलकर भले ही कोई बड़ी साझेदारी न की हो लेकिन इन दोनों में से एक न एक रन कर देता है। अब आते हैं सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, जो मध्य क्रम को अपने कंधों पर संभाले हुए हैं। अंत में कीरन पोलार्ड, हार्दिक पांड्या और क्रूणाल पांड्या तेजी से रन करने में सफल रहे हैं। गेंदबाजी में भी जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट की जोड़ी कोलकाता के बल्लेबाजों के लिए खतरनाक रहेगी। पोलार्ड, राहुल चहर और क्रूणाल भी गेंद से अच्छा कर रहे हैं।

डेनमार्क ओपन

श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

कॉपेनहेगन ।

भारत के अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने यहां जारी डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। वर्ल्ड नंबर-14 श्रीकांत ने गुरुवार को पुरुष एकल के दूसरे दौर में कनाडा के जेसन एंथनी हो को 21-15, 21-14 से मात दी। श्रीकांत ने 33 मिनट में यह मुकाबला अपने नाम किया। श्रीकांत पहली बार वर्ल्ड नंबर-49 एंथनी के खिलाफ खेल रहे थे। क्वार्टर फाइनल में अब पांचवीं सीड श्रीकांत का सामना दूसरी सीड चीनी ताइपे के तिएन चेन चोउ और आयरलैंड के एगत एनगुयेन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। सात महीने बाद कोर्ट पर श्रीकांत ने अपने पहले दौर के मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-52 इंग्लैंड के टॉबी पेंटी को सीधे गेमों में 21-12, 21-18 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। भारत के दो और खिलाड़ी शुभांकर डे और अजय जयराम हालांकि हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। एंथनी ने एक मुकाबले में भारत के शुभंकर डे को 40 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 21-8 से शिकस्त दी। वहीं एक और मुकाबले में अजय जयराम को स्थानीय खिलाड़ी वर्ल्ड नंबर-3 एंडर्स एंटनसन ने हरा दिया। एंटनसन ने यह मुकाबला 21-12, 21-14 से जीता। महिला वर्ग में भारत की ओर से एक भी चुनौती नहीं है, क्योंकि सायना नेहवाल और पीवी सिंधु पहले ही टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले चुकी हैं। यह सुपर 750 टूर्नामेंट 18 अक्टूबर तक खेला जाना है, जोकि कोविड-19 महामारी के कारण आई रुकावट के बाद अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर को फिर से शुरू हुआ है। विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) ने इससे पहले थॉमस और उबर कप फाइनल्स के अलावा डेनमार्क मास्टर्स को भी रद्द कर दिया था।

पैरा तीरंदाज अंकित कोविड पॉजिटिव, अस्पताल में भर्ती

सोनीपत।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के पूर्वोत्तर सेंटर में जारी राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास कर रहे पैरा तीरंदाज अंकित का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साई ने एक बयान में कहा, उनका अच्छे से इलाज कराने और अच्छे से ख्याल रखने के लिए उन्हें बुधवार को सोनीपत के भगवान दास अस्पताल में भर्ता कराया गया है। पैरा तीरंदाजी शिविर पांच अक्टूबर से शुरू हुआ है। साई के बयान के मुताबिक, एसओपी के मुताबिक, शिविर में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों के सैम्पल 12 अक्टूबर को दोबारा टेस्ट के लिए गए थे जिसमें से अंकित का टेस्ट पॉजिटिव आया है। बयान में कहा गया है, उन्हें तुरंत साई सोनीपत के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है और इसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। टोक्यो ओलम्पिक के मद्देनजर खिलाड़ियों और पैरा खिलाड़ियों की ट्रेनिंग साई केंद्रों में पिछले सप्ताह से चरणबद्ध तरीके से शुरू कर दी गई है।

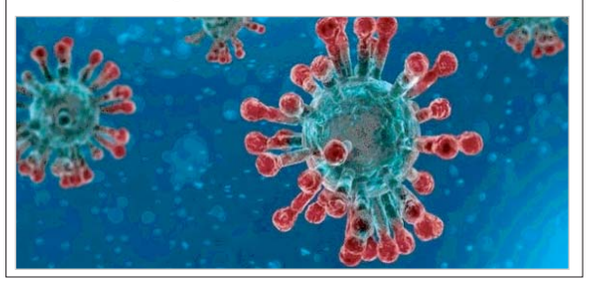

गांगुली ने किया है आश्वस्त, आस्ट्रेलिया दौरा करेगा भारत : सीए

सिडनी ।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के प्रमुख अर्ल एडिंग्स ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने उन्हें आश्वस्त किया है कि विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम आस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। द आस्ट्रेलियन अखबार ने एडिंग्स के हवाले से कहा, मैं 100 फीसदी आश्वस्त हूं कि वे आ रहे हैं। सौरव गांगुली और मैं इसके बारे में कई दिनों से बात कर रहे हैं और हम पहले से ही योजना बना रहे हैं कि हम एक बार उन्हें और उनकी टीम को यहां देख सकें। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि दौरे की शुरुआत सीमित ओवरों की सीरीज के साथ होगी और फिर इसके बाद चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। टेस्ट सीरीज की शुरुआत 17 से 21 दिसंबर को एडिलेड में होने वाली दिन-रात्रि टेस्ट मैच होगी। अन्य स्थानों में मेलबर्न (26 से 30 दिसंबर), सिडनी (सात से 11 जनवरी) और ब्रिसबेन (15 से 19 जनवरी) शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय टीम पर्थ या एडिलेड के बजाय सीधे ब्रिस्बेन पहुंचेगी और वह वहां क्वींसलैंड में जारी प्रतिबंधों के बावजूद क्वारंटीन को लेकर ज्यादा परेशानियों का सामना नहीं करेगी। गांगुली फिलहाल यूएई में हैं, जहां आईपीएल का 13वां संस्करण खेला जा रहा है। कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने 2018 में आस्ट्रेलिया दौरे पर चार मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी और वो आस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी।

संक्षिप्त समाचार

कोहली ने कहा, कप्तानों को मांगना चाहिए वाइड बॉल के लिए रिव्यू

दुबई। भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने कप्तानों को टी-20 क्रिकेट में वाइड बॉल और कमर तक की नो बॉल को लेकर दिए गए मैदानी अंपायरों के फैसलों पर रिव्यू लेने की वकालत की है। कोहली ने बुधवार को लोकेश राहुल के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत में कहा, एक कप्तान के तौर पर मैं चाहता हूं कि मैं वाइड बॉल और कमर से ऊपर की नो बॉल के गलत फैसले पर रिव्यू ले सकूं। उन्होंने कहा, हमने अतीत में देखा है कि यह छोटे फैसले टी-20 मैच और आईपीएल जैसे टूर्नामेंट पर कितना बड़ा प्रभाव डालते हैं। कोहली का बयान हाल ही में आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच एक विवाद के बाद आया है जिसमें मैदानी अंपायर पॉल राइफल वाइड बॉल का फैसला देने वाले थे लेकिन महेंद्र सिंह धोनी की प्रतिक्रिया के बाद उन्होंने फैसला बदल लिया। चेन्नई और हैदराबाद के बीच मंगलवार को खेल गए मैच में हैदराबाद की पारी के 19वें ओवर में शार्दूल ठाकुर की गेंद पर पॉल ने वाइड बॉल का फैसला लेने के लिए अपने हाथ खोल लिए थे लेकिन ठाकुर और धोनी की प्रतिक्रिया के बाद उन्होंने अपना फैसला बदल लिया था।

निदाहास फाइनल में अपने से पहले शंकर को बैटिंग के लिए भेजे जाने से गुस्से में थे कार्तिक

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ निदाहास ट्रॉफी 2018 के फाइनल में दिनेश कार्तिक उस समय बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे थे जब भारत 133 रन पर अपने पांच विकेट गंवा चुका था और अंतिम दो ओवरों में जीत के लिए उसे 34 रनों की दरकार थी और दबाव पूरी तरह से भारत पर था। हालांकि कार्तिक ने 19वें ओवर में रूबैल हुसैन की गेंदबाजी पर 22 रन बटोरकर शानदार काम किया था। भारत को जीत के लिए अंतिम गेंद पर पांच रन बनाने थे और कार्तिक ने एक्सट्रा कवर के ऊपर से छक्का लगाकर भारत की जीत पक्की की थी। कार्तिक ने द फिनिश लाइन कार्यक्रम में सौरव घोषाल के साथ बातचीत के दौरान कहा, पहले मैं नंबर-5 पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार था। लेकिन रोहित शर्मा ने कहा कि मैं नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए जाऊंगा। इसलिए मैं इसके साथ भी खुश था। उन्होंने कहा, मैं इसे लेकर पूरी तरह से आश्वस्त था कि मैं नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने के जाऊंगा। और मैं बचे हुए गेंदों और तथा रनों के बीच के फासले को देख सकता था। कार्तिक ने आगे कहा, जब चौथा विकेट आउट हो गया तो मैं बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरने के लिए तैयार था। लेकिन तभी रोहित ने कहा कि विजय शंकर को बल्लेबाजी के लिए जाना चाहिए। इसलिए उस समय मैं काफी निराश और गुस्से में था। लेकिन जाहिर है कि आप कप्तान से सवाल नहीं कर सकते। मैं इसे लेकर निश्चित था कि रोहित के दिमाग में जरूर कुछ चल रहा था। आखिरकार मैं नंबर-7 पर बल्लेबाजी के लिए उतरा।

ओलम्पिक स्थगित होने की खबर सुनकर हैरान थी : मैरी कॉम

नई दिल्ली।

भारत की दिग्गज महिला मुक्केबाज मैरी कॉम ने कहा है कि जब उन्होंने टोक्यो ओलम्पिक के स्थगित होने की खबर सुनी थी तो वो हैरान रह गई थीं। टोक्यो ओलम्पिक इसी साल 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच होने थे लेकिन कोविड-19 के कारण खेलों को स्थगित कर दिया गया। अब यह खेल 23 जुलाई से आठ अगस्त के बीच होंगे। मैरी कॉम ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली के साथ इंस्टाग्राम लाइव पर बात करते हुए कहा, मैं काफी हैरान रह गई थी। यह खबर हम सभी के लिए हैरानी लेकर आई थी। इसने हमारी जिंदगी और रूटीन को चुनौती दी थी और यह मेरे लिए भी अलग नहीं है। मैं 20 साल से खेल रही हूं। उन्होंने कहा, मैं अपनी ट्रेनिंग और सभी तरह की गतिविधियां अपने घर पर कर रही थी। मैं जो एक चीज नहीं कर पा रही थी वो थी मुकाबला। मुक्केबाजी में मुकाबला करने की जरूरत होती है, ताकि आप टूर्नामेंट में अच्छा कर सको। मैं घर पर ही रनिंग, स्ट्रेंग्थ ट्रेनिंग कर रही थी। मैं तैयारी कर रही थी। मैं इस स्थिति में अपनी स्ट्रेंग्थ में सुधार करना चाहती थी। मैरी कॉम ने कहा है कि उनके पति उनकी ताकत हैं। लंदन ओलिम्पक की कांस्य पदक विजेता ने कहा, शादी के बाद मेरे पति मेरे ताकत रहे हैं। उन्होंने जो मेरा और मेरे बच्चों का साथ दिया उसकी तुलना नहीं की जा सकती। उन्होंने हर चीज संभाल ली। वह एक आदर्श पिता और पति हैं। उन्होंने कहा, मैं काफी खुश हूं मेरे पास मेरे

बेटे के लिए एक आर्दश पिता है। मैंने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया और अगर वो नहीं होते तो यह काफी मुश्किल होता। मैं जैसा बोलती हूं उससे लगता है कि सब कुछ आसान है, लेकिन हकीकत में यह काफी मुश्किल है।

विशेष मेडिकल फ्लाइट से जुवेंतस में लौटे रोनाल्डो

रोम। कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए स्टार फुटबाल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो विशेष मेडिकल फ्लाइट से इटली लौट आए हैं। वह नेशंस लीग में अपने देश पुर्तगाल के लिए खेलने गए थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, इटली के फुटबाल क्लब जुवेंतस के लिए खेलने वाले रोनाल्डो बुधवार को पुर्तगाल से लौट आए और जुवेंतस के चिक्तिसकों की देखरेख में कोरोनावायरस क्वारंटीन में रहेंगे। पुर्तगाल के कप्तान का सोमवार को टेस्ट पॉजिटिव आया था, लेकिन मंगलवार को दूसरे टेस्ट की रिपोर्ट के आने तक उनके बारे में जानकारी नहीं दी गई थी। इटली की मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, जैसे ही उनके दूसरे टेस्ट की रिपोर्ट आई जुवेंतस ने उनको लाने की व्यवस्था शुरू कर दी और उनकी वापसी के लिए विशेष फ्लाइट का इंतजाम किया। जुवेंतस ने एक बयान में कहा, खिलाड़ी की अपील पर स्वास्थ अधिकारियों की देखरेख में रोनाल्डो विशेष मेडिकल फ्लाइट से इटली लौट आए हैं। टीम ने बताया कि रोनाल्डो में किसी तरह के लक्षण नहीं हैं और उनका स्वास्थ अच्छा है। इटली की मीडिया के मुताबिक, संभवतः रोनाल्डो को पुर्तगाल की टीम के दो सदस्यों से यह बीमारी लगी है। पुर्तगाल ने बुधवार रात को लिस्बन में स्वीडन को 3-0 से हराया था। जुवेंतस के डॉक्टर रोनाल्डो की देखरेख करेंगे। जुवेंतस ने साथ ही बुधवार को बताया कि टीम के एक और साथी वेस्टन मैक्कैनी भी कोविड-19 पॉजिटिव आए हैं। क्लब इन दोनों खिलाड़ियों की देख रेख कर रहा है।

मुम्बई सिटी एफसी ने विक्रम प्रताप के साथ किया करार

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फ्रेंचाइजी मुम्बई सिटी एफसी ने लीग के आगामी सातवें सीजन से पहले भारत के अंडर-20 टीम के स्ट्राइकर विक्रम प्रताप सिंह के साथ करार करने की गुरुवार को घोषणा की। 18 वर्षीय विक्रम का मुम्बई सिटी एफसी के साथ 2023 तक करार हुआ है और उनके पास इसे अगले साल तक के लिए भी बढ़ाने का विकल्प है। विक्रम ने चंडीगढ़ फुटबॉल अकादमी में अपने युवा करियर की शुरुआत की थी और उन्होंने 2018 में सीनियर वर्ग में खेलने लगे थे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की टीम इंडियन एरोज के कप्तान रह चुके हैं। इसके अलावा वह अंडर-16, अंडर-17 और अंडर-20 स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उनका सभी आयु वर्गों में गोल करने का शानदार रिकार्ड है। विक्रम ने कहा, यह मेरे करियर और मेरे जीवन का एक बड़ा दिन है। मुंबई सिटी में शामिल होने का मतलब है देश के और लीग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलना। मेरे जैसे युवा फुटबॉलर के लिए इस तरह से एक अवसर से गुजरना असंभव था। मेरे पास सीखने के लिए बहुत कुछ है और बहुत कुछ साबित करने के लिए भी है।

ज्यादा इस्तेमाल से टूटी पिचों के कारण आईपीएल में टीमों की पसंद बने हैं स्पिनर

नई दिल्ली।

आईपीएल-13 में मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ तीन स्पिनर उतारे थे। इनमें से दो ने तीन अहम विकेट ले चेन्नई की जीत में अहम योगदान दिया। चेन्नई की अंतिम-11 में तीन स्पिनर- रवींद्र जडेजा, पीयूष चावला और कर्ण शर्मा का शामिल किया जाना यह संकेत है कि स्पिनर और धीमी गति के गेंदबाज आगे जाकर टूर्नामेंट में अहम रोल निभाने वाले हैं। मैच के बाद हैदराबाद के गेंदबाजी कोच मुथैया मुरलीधरन ने कहा था, स्पिनर आगे जाकर अहम रोल निभाएंगे। विकेट टूट गई हैं। तीन पिचें (मैदान) हैं, इसलिए वो टूटेंगी। चेन्नई और हैदराबाद का मैच लीग के दूसरे हाफ का पहला मैच था। अभी तक पहले हाफ में तेज गेंदबाजों का बोलबाला देखा गया था। सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों गेंदबाजों की सूची में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के युजवेंद्र चहल इकलौते स्पिनर हैं।

लेकिन चीजें बदल सकती हैं क्योंकि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बीती रात हुए मैच में दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पच पर आईपीएल इतिहास की तीन सबसे तेज गेंदें फेंकी थीं। तीन मैदान होने के चलते पिचों को टूटना आम बात है और ऐसे में दूसरी पिचों को रोटेट करना एक अहम चीज साबित हो सकता है। भारत के कुछ पिच क्यूरेटरों ने आईएएनएस से कहा कि पिचें स्पिनरों की मददगार होंगी और इसका कारण सीमित मैदान और मौसम ही नहीं है लेकिन इसलिए भी क्योंकि मैच सही तरह से प्लान नहीं किए गए। शुरुआत में लगा था कि बीसीसीआई ने टूर्नामेंट अच्छे से प्लान किया है। उन्होंने शारजाह में सिर्फ 10 मैच रखे हैं। इस मैदान पर सिर्फ तीन पिच हैं। इसलिए उन पर ज्यादा दबाव नहीं होगा। अबू धाबी और दुबई में ज्यादा मैच खेले जाने हैं और यहां रोटेशन के लिए ज्यादा पिचें हैं।

एक क्यूरेटर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, मैंने जो सुना है वो हो नहीं रहा है। वहां सीमित पिचें ही हैं- एक जगह तीन ज्यादा से ज्यादा, जिनका उपयोग किया जाता है। दुबई में 24 मैच होने हैं जबकि अबू धाबी में 20। उन्होंने कहा, अच्छा यही था कि उन्हें एक ही मैदान पर लगातार मैच नहीं रखने चाहिए थे। पिचें रोटेट की जाएं या नहीं लेकिन एक ही मैदान पर लगातार मैच होते आ रहे हैं। उदाहरण के तौर पर बुधवार को दुबई में राजस्थान और दिल्ली का मैच खेला गया।

इसी मैदान पर मंगलवार को ही चेन्नई और हैदराबाद का मैच खेला गया था। इस तरह के कुछ और उदाहरण हैं। यह समस्या इसलिए हो रही है क्योंकि कोविड-19 के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आईपीएल खेला जा रहा है और जहां मैदान कम हैं। अगर यह लीग भारत में ही होती तो आठ मैदानों पर मैच खेले जाते।

चेन्नइयन एफसी ने फातखुलोव के साथ करार की घोषणा की

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के क्लब चेन्नइयन एफसी ने लीग के आगामी सातवें सीजन से पहले ताजिकिस्तान के फातखुलो फातखुलोव के साथ करार करने की गुरुवार को घोषणा की। आईएसएल में दो बार खिताब अपने नाम करने वाली चेन्नइयन ने फातखुलोव के साथ 2020-21 सीजन के लिए करार किया है। वह पहली बार भारत में खेलेंगे। 30 वर्षीय फातखुलोव ताजिकिस्तान के लिए सर्वाधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अपनी राष्ट्रीय सीनियर टीम के लिए अब तक 68 मैच खेले हैं। वह ताजिकिस्तान की शीर्ष फुटबाल लीग की टीम एफके खुजांद के लिए खेलते रहे हैं। फातखुलोव ने कहा, मैंने चेन्नइयन एफसी के बारे में बहुत कुछ सुना है और पिछले सीजन के कई मैच देखे हैं। सीएफसी शानदार प्रशंसकों के साथ भारत के सबसे बड़े क्लबों में से एक है। इसलिए जब यह कदम उठाने का अवसर आया, तो मैंने एक बार भी नहीं सोचा। मैं वास्तव में अपने नए साथियों से मिलने को लेकर उत्साहित हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेडियेशन थेरेपी कैंसर की चिकित्सा का एक तरीका है जिसमें आयोनाइजिंग रेडियेशन नामक कणों का इस्तेमाल कैंसर के सेल्स को क्षति पहुंचाने के लिए होता है।

नए सेल्स नहीं बनने देती

रेडियेशन थेरेपी

आयोनाइजिंग रेडियेशन कैंसर के सेल्स पर प्रहार करती है और उसके आनुवांशिक तत्व को नुकसान पहुंचा कर नए सेल्स को बनने नहीं देती । रेडियेशन थेरेपी के दौरान कैंसर के सेल्स के आसपास के सामान्य सेल्स को भी क्षति पहुंचती है लेकिन यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं। रेडियेशन थेरेपी बाह्य रूप से एक्स रे बीम्स के रूप में गामा रेज या सब एटामिक पार्टिकल्स के रूप में दी जाती है। बाह्य रूप से रेडियेशन देने की प्रक्रिया में 5 से 15 मिनट लगते हैं और इसमें दर्द नहीं होता।

कुछ नए तरीके

चिकित्सा कितनी बार दी जानी है यह हर व्यक्ति के लिए अलग अलग होता है। कुछ स्थितियों में चिकित्सा में कई हफ्ते लग जाते हैं। आंतरिक रूप से भी रेडियेशन दिया जाता है। ऐसे में रेडियोऐक्टिव पदार्थों को शरीर की कैविटी के रख दिया जाता है या फिर ट्यूमर के सेल्स के अन्दर रखा जाता है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ नए तरीके हैं –

- कनफार्मल बीम तकनीक: कई बीम से एक ही समय रेडियेशन भी ली जा सकती है। ऐसा करने से रेडियेशन ट्यूमर के सेल्स पर एकत्रित हो जाता है और सामान्य टिश्यूज को कम प्रभावित करता है।
- इन्ट्राआपरेटिव रेडियेशन थेरेपी : सर्जरी के दौरान ट्यूमर पर रेडियेशन दी जाती है।
- रेडियेसेंसिटाइजर्स: यह ड्रग्स कैंसर के सेल्स पर रेडियेशन के प्रभाव को बढ़ाते हैं।
- रेडियोप्रोटेक्टर्स: यह ड्रग्स सामान्य सेल्स को रेडियेशन के द्वारा हुई क्षति से बचाते हैं जबकि आसपास के कैंसर के सेल्स क्षतिग्रस्त हो चुके होते हैं।
- रेडियोइम्यूनोथेरेपी: रेडियोएक्टिव पदार्थ एण्टीबाडीज से जुड़े होते हैं जो कि रक्षात्मक रासायन होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाये जाते हैं। यह एण्टीबाडीज कैंसर के सेल्स को प्रभावित करते हैं । हमारे शरीर के एण्टीबाडीज नान कैंसरस, स्वस्थ सेल्स को प्रभावित नहीं करते हैं इसलिए इससे ट्यूमर के बाहर रेडियेशन से होने वाली क्षति का खतरा कम होता है ।

रोग की चिकित्सा

बाह्य / एक्सटर्नल रेडियेशन थेरेपी शुरू करने से पहले रेडियेशन विशेषज्ञ चिकित्सा की योजना बनाता है। वह यह भी निर्धारित करता है कि मरीज़ को किस प्रकार की रेडियेशन और कितने सेशन देने हैं । आप शुरूआती सेशन में भाग ले सकते हैं। चिकित्सक सबसे पहले उस जगह पर निशान बनाता है जहां पर कि रेडियेशन चिकित्सा देनी होती है।

चिकित्सकीय क्षेत्र पर निशान अंकित करने के लिए आजकल छोटे गोल्ड सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें कि फिड्यूकल्स कहते हैं। एक चिकित्सकीय सेशन से दूसरे चिकित्सकीय सेशन में जाने के लिए ट्यूमर पर रेडियेशन की बीम देने पर ज्यादा सावधानी की आवश्यकता होती है। इससे रेडिसेशन के फैलने का खतरा और सामान्य सेल्स को क्षति पहुंचने का खतरा कम हो जाता है। चिकित्सा के दौरान मरीज को अस्पताल का गाउन पहनने की आवश्यकता होती है। रेडियेशन थेरेपी के कमरे में आपको या तो चिकित्सा की टेबल पर लेटना होता है या विशेष कुर्सी पर बैठना होता है। आपकी त्वचा पर बनाये निशान से चिकित्सक उस जगह को निर्धारित कर सकेगा जहां पर रेडियेशन देनी है और शरीर के दूसरे भागों पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा ।थेरेपी लेने के दौरान आपका एक ही स्थिति में पड़े रहना जरूरी है। इसी कारण से आपके शरीर को एक सांचे में रखा जाता है। एक बार जबकि आप चिकित्सा के लिए तैयार हो जाते हैं तो रेडियेशन आनकोलाजिस्ट कमरे से बाहर निकलकर पास के कंट्रोल रूम में चला जाता है । यहां से चिकित्सक ट्रीटमेंट मशीन का प्रयोग कर एक खास खिड़की से आपकी निगरानी करता है। रेडियेशन थेरेपी के दौरान आप चिकित्सकीय मशीन की आवाज़ सुन सकते हैं और यह मशीन आपके इर्द गिर्द घूमती है । यह चिकित्सा 1 से 5 मिनट तक होती है और इसमें किसी प्रकार का दर्द भी नहीं होता । ट्रीटमेंट के कमरे में आपको 5 से 15 मिनट तक का समय लगता है । सामान्यत: यह चिकित्सा एक हफ्ते से कई हफ्तों तक की जाती है । अगर आप आंतरिक रेडियेशन थेरेपी करा रहे हैं तो आपकी चिकितसा थोड़ा अलग तरीके से होती है ।

ब्रैकी थेरेपी

एक तरीका है ब्रैकीथेरेपी जिसे कि इन्टरस्टीशियल रेडियेशन थेरेपी भी कहते हैं । अगर आप यह प्रक्रिया करा रहे हैं तो आपको एनेस्थीसिया दिया जाता है तारों में मौजूद रेडियोएक्टिव पदार्थ या छोटे ट्यूब में पड़ा रेडियोएक्टिव पदार्थ मरीज के शरीर में ट्यूमर के स्थान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है। यह रेडियोएक्टिव आरोपण शरीर के अंदर रहता है या इसे कुछ समय बाद शरीर से निकाल दिया जाता है और यह बात भी कैंसर के प्रकार पर निर्भर करती है।

दूसरी प्रक्रिया जिसे कि इन्ट्राकैविटरी थेरेपी कहते हैं इसमें आपको जनरल या लोकल एनेस्थेटिक दिया जाता है और रेडियोएक्टिव पदार्थ को सीधा शरीर की कैविटी में आरोपित कर दिया जाता है। बाद में इसे निकाल भी दिया जाता है। पुराने समय से आज तक दोनों ही प्रकार की रेडियेशन थेरेपी में बदलाव आये हैं। जैसे कि रेडियेशन का स्रोत प्रोटोन भी हो सकते हैं। इस तकनीक में रेडियेशन बीम को सीधा मरीज पर केंद्रित किया जाता है। इससे अधिक मात्रा में रेडियेशन टिश्यूज तक पहुंच जाती है और यह सामान्य सेल्स को कम नुकसान पहुंचाती है ।

वितरण की नयी तकनीक को देखते हुए एक्स रे इमेजिंग तकनीक का प्रयोग भी विस्तार से हो रहा है । ऐसे दो तरीके हैं–

- थ्री डाइमेंशनल कनफार्मल रेडियेशन और इन्टेंसिटी माडूलेटेड रेडियेशन : इसका ध्येय है ट्यूमर सेल्स में रेडियेशन की सही मात्रा देना जिससे कि सामान्य सेल्स को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे ।
- साइबरनाइफ थेरेपी अधिक मात्रा में रेडियेशन थेरेपी देती है और इसे छोटे अंतराल पर देना होता है। ऐसे में बहुत ही सटीक मात्रा में रेडियेशन की डोज देनी होती है। कुछ स्थितियों में रेडियेशन चिकित्सा में कुछ हफ्ते लग जाते हैं और बीमारी ठीक हो जाती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

चिकित्सक कुछ शरीरिक जांच, स्कैन, एक्स रे, रक्त जांच करके रेडियेशन थेरेपी का पता लगाने की कोशिश करेंगे । आपके निश्चित प्रकार की फोलो अप और जांच से यह पता चलेगा कि रेडियेशन थेरेपी की आवश्यकता है या नहीं । इस जांच से ट्यूमर की स्थिति का पता चलेगा और यह भी पता चलेगा कि कैंसर कितना फैल चुका है।

रेडियेशन थेरेपी के बहुत से दूसरे अतिरिक्त प्रभाव हैं जो कि शरीर के उस क्षेत्र पर निर्भर करते हैं जिनकी चिकित्सा की जानी है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव कुछ इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे कि थकान होना, बालों का झड़ना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, भूख ना लगना, उलटियां आना, इन्फर्टिलिटी, स्टेरिलिटी, वैजाइनल ड्राइनेस। रेडियेशन थेरेपी से दूसरे प्रकार के कैंसर का भी डर रहता है।

पथरी के दर्द से राहत दिलाएं यें नुस्खे

पथरी हमारे शरीर में खुद ही बननी शुरू हो जाती है, इसके बनने में उम्र की सीमा नहीं होती ।पहले जब ये छोटे–छोटे कंकर के रूप में फिर जब यें बड़ी हो जाती है ,इसके दर्द को बर्दाशत करना बहुत मुश्किल हो जाता है। पथरी हमारे शरीर में खुद ही बननी शुरू हो जाती है जैसे पित्त की पथरी,गुर्दे की पथरी और भी किसी भी जगह यें आकार में पहले छोटी बाद मे आकार मे बढ़नी शुरू हो जाती है। कुछ घरेलु नुस्खों की सहायता से आप इस पथरी के दर्द से राहत पा सकते है।

- पथरी होने पर नारियल का पानी पीना लाभदायक होता है।
- आंवले का चूर्ण तैयार करके मूली के साथ सेवन करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- जीरे और चीनी को अच्छी तरह पीसकर इस मिश्रण का सेवन ठंडे पानी से करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- आम के पत्तों को सुखाकर उनको अच्छी तरह पीसकर रोज इनका सेवन करने से लाभ मिलता है।
- पथरी होने पर चाय,कॉफी का सेवन अधिक नहीं करना चाहिए दर्द ज्यादा होने लगता है।
- तुलसी के बीज और दूध का सेवन करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- तुलसी के पत्तों को रोजाना चबाने से इससे राहत पाई जा सकती है।
- प्याज का सेवन करने से गुर्दे की पथरी से राहत मिलती है और हो सके तो प्याज के ताजा रस का सेवन करना गुर्दे की पथरी के लिए बहुत लाभदायक साबित हुआ है।
- अंगूर का सेवन करने से गुर्दे की पथरी से निजात पाई जा सकती है।

ऐसा–वेसा मत समझना बड़े काम का है ये

टमाटर

जो व्यक्ति सप्ताह में दस से ज्यादा टमाटर खाता है उसे प्रोस्टेट कैंसर होने का खतरा 18 प्रतिशत कम रहता है। यह जानकारी एक अनुसंधान में सामने आई है। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए ब्रिस्टोल विश्वविद्यालय और आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित 50 और 69 वर्ष की उम्र के 1,806 लोगों की खुराक और जीवनशैली पर ध्यान दिया और उसकी 12005 कैंसर मुक्त लोगों के साथ तुलना की।

अध्ययन में प्रोस्टेट कैंसर की 'आहारीय तालिका' विकसित की जिसमें आहारीय अवयवों सेलेनियम, कैलसियम और वैसे खाद्य पदार्थ जिसमें लाइकोपिन की प्रचुरता होती है, शामिल किया गया। यह पाया गया कि जिन लोगों ने इन तीन आहारीय अवयवों को खाने में शामिल किया उनमें प्रोस्टेट कैंसर की आशंका कम पाई गई। टमाटर और उसके उत्पाद जैसे टमाटर का जूस और पकाए हुए बीन सबसे ज्यादा गुणकारी पाए गए। 10 भाग से ज्यादा खाने वाले पुरुषों में बीमारी होने का खतरा 18 प्रतिशत कम पाया गया।

आपके फेफड़े के लिए गुड है Good Cholesterol

हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है कि फेफड़े के उच्च रक्तचाप के इलाज में गुड कोलेस्ट्रॉल यानी उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एचडीएल) कारगर भूमिका निभाते हैं। चूहों पर किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने खुलासा किया कि गुड कोलेस्ट्रॉल फेफड़े के रक्तचाप के दौरान शरीर में

ऑक्सीकृत लिपिड के उत्पादन को कम करता है। साथ ही यह भी पाया गया कि ऑक्सीकृत लिपिड के कम बनने से फेफड़े और दिल की कार्यशैली में सुधार होता है।

लॉस एंजेलिस के कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय के डेविड गेफेन स्कूल ऑफ मेडिसिन में ज्ञानेन्द्रिय विज्ञान के प्रोफेसर डॉ.मंसोर एगबाली ने कहा, ''एचडीएल कोलेस्ट्रॉल ऑक्सीकृत लिपिड की मात्रा कम करने में सहायक है, इससे इलाज के विकास में मदद मिलेगी।'' उल्लेखनीय है कि फेफड़े का उच्च रक्तचाप एक गंभीर बीमारी है, जिसमें रोगी के फेफड़े की विभिन्य रक्त नलियां संकरी हो जाती है, जिसके कारण रक्तचाप बढ़ जाता है।

मोटापा और मद्यपान से गंभीर बीमारी का खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपने ताजा शोध में कहा है कि 75 साल की उम्र होने तक औसत यूरोपीय महिलाओं की तुलना में ब्रिटिश महिलाओं में कैंसर की बीमारी विकसित होने का ज्यादा खतरा होता है। स्काई न्यूज के अनुसार एक औसत के मुताबिक यूरोप में 75 साल की उम्र तक पहुंचने वाली प्रत्येक पांचवी महिला कैंसर से पीड़ित हो जाएंगी। दूसरी ओर ब्रिटेन में करीब एक चौथाई महिलाएं कैंसर से पीड़ित होंगी। ऐसा इसलिए है कि ब्रिटेन में मोटापे और मद्यपान करने की दर बढ़ती जा रही है। वैसे शोधकर्ताओं का कहना है कि लोगों के कैंसर की बीमारी के चपेट में आने में आनुवांशिकी की एक बड़ी भूमिका होती है। उनका विश्वास है कि यदि लोग स्वास्थ्यवर्धक भोजन लें व व्यायाम करें तो सामान्य प्रकार के कैंसर की कई बीमारियों से बचा जा सकता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और स्वास्थ्यवर्धक शाकाहारी भोजन लेने, कम नमक खाने और लाल व प्रसंस्कृत मांस न लेने से कैंसर की बीमारियों में कमी आ सकती है। महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे सामान्य है। विशेषज्ञों का कहना है कि जीवनशैली में बदलाव करके स्तन कैंसर के 10 में से करीब चार मामलों में जान बचाई जा सकती है। विश्व कैंसर अनुसंधान कोष (डब्ल्यूसीआरएफ) के रिचर्ड ईवान्स कहते हैं, एक देश के रूप में हम यूरोपीय औसत के मुकाबले कहीं ज्यादा मोटापाग्रस्त हो रहे हैं और हम ज्यादा शराब पीते हैं। इसलिए इस तरह के परिणाम सामने आना कोई आश्चर्य नहीं है। ब्रिटेन के कैंसर अनुसंधान केंद्र के प्रमुख पॉल मॉस का कहना है, जब खान–पान की बात आती है तो हम दिल की बीमारियों के विषय में ज्यादा सोचते हैं लेकिन कैंसर के खतरे के विषय में ज्यादा नहीं सोचते।

पैरों में होने वाली खुजली से राहत दिलवाएं कुछ घरेलु उपाय

खुजली हमारे शरीर के किसी भी भाग में हो परेशानी का कारण बन सकती है।यें किसी भी तरह की संक्रमण के कारण पैदा हो सकती है और हमारा सारा ध्यान इस खुजली में ही लगा रहता है। हम इस खुजली से राहत पाने के लिए कई यत्न करते है।कुछ घरेलु उपायों का प्रयोग करके पैरों की खुजली से राहत पाई जा सकती है।

- सबसे पहले पैरों की सफाई की तरफ विशेष ध्यान दें,पैरों को धोने के बाद जल्दी–जल्दी मोज़े नहीं पहनने चाहिए,पहले पैरों को अच्छी तरह सुखाकर फिर मोज़े पहनने चाहिए।इससे न तो पैरों में बदबू पैदा होगी और न ही पैरों में खुजली की समस्या पैदा होगी।
- पैरों को साफ करने के लिए एक टब में गुनगुने पानी में थोड़ा नमक डालकर पैरों को टब के बीच में रखें,फिर थोड़ी देर के बाद पैरों को निकालकर किसी कपड़े से अच्छी तरह साफ करने से खुजली की समस्या से राहत पाई जा सकती है।
- पैरों में खुजली होने पर सफेद सिरका प्रयोग करने से राहत पाई जा सकती है।
- पैरों को साफ करके उस पर एलोवेरा जैल का प्रयोग करने से खुजली से राहत पाई जा सकती है।
- रात को सोने से पहले रोज़ाना पैरों को अच्छी तरह साफ करके इस पर अच्छे मॉइस्चराइजर से मसाज़ करने से पैरों मे रूखापन खत्म हो जाता है और खुजली की समस्या से राहत मिलती है।
- टब में गुनगुना पानी लेकर उसमें नींबू का रस मिलाकर पैरों को पानी के बीच में रखने से पैरों की खुजली समाप्त हो जाती है।
- बेंकिग सोडा का पेस्ट तैयार करके अपने पैरों में लगाने से पैरों की खुजली से राहत पाई जा सकती है।
- नीम की पत्तियों को पानी में डालकर उस पानी में पैरों को थोड़ी देर रखने से खुजली समाप्त हो जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यौन उत्पीडन का आरोपी हवाई अड्डे पर गिरफ्तार, दोस्त के पासपोर्ट पर भागने की कर रहा था कोशिश

वॉशिंगटन. अमेरिका में एक हवाई अड्डे पर एक भारतीय-अमेरिकी यौन अपराधी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके दोस्त के पासपोर्ट पर देश छोड़कर भागने की कोशिश की जा रही है। नाबालिग के यौन उत्पीड़न के प्रयास से संबंधित न्यू जर्सी में एक लंबित आपराधिक मामले के 41 वर्षीय दुरिकंदन मुरुगन गिरफ्तार कर लिया गया है। अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (ट्रब्बक) के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि शिकागो ओ%हारे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका जाने वाले यात्रियों के एक नियमित प्रवर्तन साक्षात्कार के दौरान गिरफ्तार किया गया है।

मुरुगन, जिन्होंने एल्विस डायस को जारी एक भारतीय पासपोर्ट और बोर्डिंग पास प्रस्तुत किया, एक साक्षात्कार के लिए चुना गया। साक्षात्कार के दौरान, यात्री के बटुए और कैरी-ऑन सामान की खोज की गई, जिससे मुरुगन को जारी किए गए कई दस्तावेज मिले।

मोबाइल बायोमेट्रिक सत्यापन किया गया, जिसमें नाबालिग के यौन उत्पीड़न के प्रयास से संबंधित एक लंबित आपराधिक मामला सामने आया। सीबीपी ने एक बयान में कहा कि पूछताछ के दौरान, मुरुगन ने स्वतंत्र रूप से स्वीकार किया वह दुरिकंदन मुरुगन था, और कहा कि उसने अपने दोस्त डायस का पासपोर्ट ले लिया है और अपने बीमार पिता को देखने के लिए अमेरिका छोड़ दिया है।

अमेरिका के आव्रजन कानून के संदिग्ध उल्लंघनों पर शिकागो में ट्रब्बक द्वारा मुरुगन का आयोजन किया गया था। इसके अतिरिक्त, सीबीपी ने न्यू जर्सी के राज्य, समरसेट काउंटी अभियोजकों के कार्यालय से संपर्क किया ताकि उन्हें शिकागो में मुरुगन की नजरबंदी की सलाह दी जा सके।

न्यू जर्सी में राज्य के अधिकारियों ने मुरुगन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान पर सवार होने के लिए दूसरे से संबंधित पासपोर्ट का उपयोग करने के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया। बयान में कहा गया है कि मुरुगन को शिकागो पुलिस को सौंप दिया गया था, जो न्यू जर्सी में प्रत्यर्पण का समन्वय करेगा।

शेन कैम्पबेल, एरिया पोर्ट डायरेक्टर-शिकागो ने कहा कि हम राज्य, स्थानीय और संघीय कानून प्रवर्तन भागीदारों के साथ मिलकर काम करते हैं, जो उन लोगों की पहचान करते हैं जो कानून से भगोड़े हैं और उन्हें न्याय दिलाते हैं ।

महामारी के बाद से न्यूयार्क में बढ़ी साइकिल चोरी की घटनाएं, बोले लोग- अपने साथ ही लेकर सोएं

न्यूयार्क . कोरोना महामारी आपकी सेहत के लिए तो खतरनाक है ही, इससे आपके घर के बाहर खड़ी साइकिल पर भी खतरा है। चौंकिए मत, आंकड़े ऐसा ही बता रहे हैं। दुनिया के सबसे अमीर शहरों में शुमार न्यूयार्क में महामारी के दौरान साइकिल चोरी के मामले तेजी से बढ़े हैं। यहां साइडवॉक, गैराज और बिल्डिंग के बेसमेंट तक से साइकिल चोरी होने लगी है।

कई लोग तो यह भी कहने लगे हैं कि साइकिल बचानी है, तो अपने साथ ही लेकर सोएं। ब्रिटेन और फ्रांस के भी कई शहरों से साइकिल चोरी बढ़ने के मामले आए हैं।

एक के बाद एक कई साइकिल गंवा चुके जैकब प्रिल ने कहा, आप साइकिल खरीदते हैं, तो यही उम्मीद रखते हैं कि उसे लंबे समय तक अपने पास रखेंगे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। यहां हालात ऐसे बन गए हैं कि अगर कोई गलती से भी घर के बाहर साइकिल खड़ी कर दे, तो सुबह उसे नई साइकिल खरीदने के लिए तैयार रहना होगा। एक साइकिल की दुकान पर काम करने वाले स्टाई गोंजलेज ने कहा, %लॉक कोई भी हो, तोड़ा जा सकता है। अच्छा लॉक होने से साइकिल और आपका साथ थोड़ा बढ़ जाता है।

पुलिस के मुताबिक, इस बार मार्च से सितंबर के बीच 4,477 साइकिल चोरी के मामले आए हैं। इनमें इलेक्ट्रिक मोटर वाली साइकिलें भी शामिल हैं। सालभर पहले इसी अवधि में 3,507 साइकिलों की चोरी हुई थी। चोरी में 27 फीसद का इजाफा हुआ है। हालांकि जानकारों का तो यह कहना भी है कि ये आंकड़े बहुत कम हैं। असल में चोरी की पांच में से मात्र एक ही घटना की रिपोर्ट पुलिस के पास पहुंचती है। एक ग्रुप का दावा है कि अमेरिका में हर 30 सेकेंड में एक साइकिल चोरी हो जाती है।

इस बीच, दुनियाभर में संक्रमितों का आंकड़ा 3 करोड़ 80 लाख के पार पहुंच गया है। अमेरिका पर महामारी का प्रकोप जारी है।

दुनिया भर में कोविड-19 की चपेट में आकर मरने वाले संक्रमित सबसे अधिक यहीं हैं। अमेरिका में संक्रमण से 2 लाख 15 हजार 861 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं यूरोप में भी हालात बिगड़ने लगे हैं। ब्रिटेन में जॉनसन की कंजरवेटिव पार्टी के लगभग 40 सांसदों ने पब, बार और रेस्तरां को 10 बजे तक बंद करने के फैसले के खिलाफ वोट किया।

दुनिया के सबसे अमीर शहरों में शुमार न्यूयार्क में महामारी के दौरान साइकिल चोरी के मामले तेजी से बढ़े हैं। ब्रिटेन और फ्रांस के भी कई शहरों में भी ऐसी वारदातें बढ़ी हैं। लोग तो यह भी कहने लगे हैं कि साइकिल बचानी है तो अपने साथ ही लेकर सोएं।

Coronavirus : फ्रांस में फिर बढ़ने लगी नए संक्रमितों की संख्या, दूसरी लहर से बचाव के लिए कर्फ्यू लागू

फ्रांसीसी राष्ट्रपति के मुताबिक कर्फ्यू इले-डी-फ्रांस क्षेत्र के साथ-साथ लिली ग्रेनोबल ल्योन मार्सिले रूयन सेंट-इटेन मोंटपेलियर टूलूज में भी लागू किया जाएगा। शनिवार से कर्फ्यू देश के विभिन्न हिस्सों में लागू कर दिया जाएगा और चार हफ्तों के लिए प्रभावी रहेगा।

पेरिस. फ्रांस सरकार ने कोरोना महामारी की दूसरी लहर के चलते देश के विभिन्न हिस्सों में कर्फ्यू की घोषणा कर दी है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन (Emmanuel Macron) ने पेरिस, लिली, लियोन, मार्सिले, टूलूज समेत कई शहरों में कोरोना वायरस की बढ़ती दूसरी लहर के मद्देनजर कर्फ्यू की घोषणा कर दी है। जो शनिवार से लागू कर दिया जाएगा और चार हफ्तों के लिए प्रभावी रहेगा।

एक स्थानीय मीडिया के साथ मैक्रोन के इंटरव्यू के हवाले से स्पुतनिक ने बताया कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए कर्फ्यू एक पर्याप्त उपाय है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि कर्फ्यू इले-डी-फ्रांस क्षेत्र के साथ-साथ लिली, ग्रेनोबल, ल्योन, मार्सिले, रूयन, सेंट-इटेन, मोंटपेलियर, टूलूज में भी लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमने नियंत्रण नहीं खोया है, लेकिन हम ऐसी स्थिति में हैं जिससे हम चिंतित हैं.. लेकिन हमने महामारी की पहली लहर से निष्कर्ष निकाला है। फ्रांसीसी नेता ने कहा कि वास्तव में वायरस जिससे हम पिछले छह महीने से जूझ रहे हैं वह अब वापस लौट रहा है। हम इस वक्त ऐसी स्थिति में हैं जिसे दूसरी लहर कहते हैं।

स्पुतनिक के अनुसार, फ्रांस में जुलाई के बाद से कोरोना वायरस मामलों में फिर से तेजी आई है। 10 अक्टूबर को यहां एक दिन में संक्रमण के 27,000 मामले दर्ज किए गए, यह आंकड़ा एक दिन में दर्ज मामलों में सबसे ज्यादा है। बुधवार तक देश में कोरोना संक्रमण के 756,472 मामले दर्ज किए जा चुके हैं और 32,942 लोगों की मृत्यु इस वायरस के कारण हो चुकी है।

दुनियाभर में कोरोना वायरस से बढ़ सकती हैं मौतें, डब्ल्यूएचओ की मुख्य वैज्ञानिक की चेतावनी

जेनेवा. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुधवार को कहा कि कोरोना से मृत्युदर को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही भारी पड़ सकती है। संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा कि दुनियाभर में संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, जिससे मृत्युदर भी बढ़ने की आशंका है। डब्ल्यूएचओ की मुख्य विज्ञानी सौम्या स्वामीनाथन ने एक कार्यक्रम में कहा कि अप्रैल के बाद से दुनियाभर में प्रतिदिन कोरोना से पांच हजार मौतें हो रही हैं। अप्रैल से पहले यह संख्या 7,500 से अधिक थी।

लेकिन नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यूरोप में रोजाना एक लाख नए केस सामने आ रहे हैं। नए मामलों के बढ़ने से आइसीयू में भी मरीजों की संख्या बढ़ रही है और इससे मृत्युदर भी बढ़ने की आशंका है। इस बीच, विश्व बैंक ने कहा है कि उसने कोरोना वैक्सीन खरीदने और उसके वितरण में विकासशील देशों को वित्तीय मदद देने के लिए 12 अरब डॉलर (लगभग 87,000 करोड़ रुपये) मंजूर किए हैं।

ट्रंप ने कहा- सुप्रीम कोर्ट के लिए एमी हैं राइट च्वाइस

वाशिंगटन. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (President Donald Trump) ने कहा है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जो बिडेन के खिलाफ जाने में कोई परेशानी नहीं है लेकिन सुप्रीम कोर्ट उम्मीदवार के लिए नामित एमी कोनी बैरेट (Amy Coney Barrett) के खिलाफ नहीं जाना चाहते हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की जज रूथ बादर गिंसबर्ग का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की वो दूसरी महिला जज थीं।

➤अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में जज की नियुक्ति को लेकर हंगामा मच गया है। एक ओर रिपब्लिकन चाहती है कि यह नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द से जल्द हो वहीं डेमोक्रेट्स चुनाव के बाद इस नियुक्ति की प्रक्रिया को संपन्न करना चाहते हैं।

बता दें कि अमेरिका में जजों की नियुक्ति लाइफटाइम के लिए होती है। ट्रंप की ओर से इस नाम के पेशकश पर डेमोक्रेट की ओर से कड़ी आपत्ति जताई जा रही है।

डेमोक्रेट के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बिडेन ने कहा है कि इस पद के लिए नामांकन 3 नवंबर के चुनावों के विजेता द्वारा किए जाने की जरूरत है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में 9 जज होते हैं। किसी अहम फैसले के वक्त यदि इनकी राय 4-4 में विभाजित हो जाती है तो सरकार द्वारा नियुक्त जज का वोट निर्णायक हो जाता है और जज राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होता है तो माना ये जाता है कि वो सरकार के पक्ष में ही फैसला देगा।

पाकिस्तान में पढ़ाया जा रहा, हिंदू काफिर और यहूदी हैं दुश्मन, बलोच कार्यकर्ता का बड़ा खुलासा

जिनेवा. पाकिस्तान के स्कूलों में हिंदुओं, यहूदियों और बलोचों के प्रति घृणा पैदा करने वाले पाठ बच्चों को पढ़ाए जा रहे हैं। इससे अल्पसंख्यकों के प्रति पाकिस्तान में माहौल तैयार हो रहा है। यह बात बलोचों के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे मुनीर मेंगल ने संयुक्त राष्ट्र के जिनेवा स्थित कार्यालय में कही है।

संयुक्त राष्ट्र के डर्बन घोषणा और योजना कार्य दल के समक्ष बलोच वॉयस एसोसिएशन के प्रमुख मेंगल ने कहा, सेना द्वारा चलाए जा रहे उच्च स्तरीय कैडेट कॉलेज में बच्चों को जो पहला पाठ पढ़ाया जा रहा है, उसमें बताया गया है कि हिंदू काफिर होते हैं और यहूदी इस्लाम के दुश्मन होते हैं। इसलिए दोनों समुदाय के लोग मौत के हकदार होते हैं। इसमें सेना की वर्दी पहनने वाले शिक्षक बच्चों को बताते हैं कि हमें बंदूकों और बमों से प्यार करना चाहिए।

उन्हें इज्जत देनी चाहिए, क्योंकि वे हिंदू माताओं को मारने के काम आते हैं। ये हिंदू औरतें ही हिंदू बच्चों को जन्म देती हैं। मेंगल ने कहा, ये घृणास्पद बातें पाकिस्तान के स्कूलों और मदरसों में इस समय पढ़ाई जा रही हैं। इन बातों को कहने वाली किताबें स्कूलों के पाठ्यक्रम में हैं। इनके जरिये बच्चों को बचपन से उन्मादी और आतंकी मानसिकता का बनाया जाता है।

साथ ही ईशनिंदा कानून अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सामान्य कहासुनी की घटनाओं में इस कानून का अल्पसंख्यकों के खिलाफ इस्तेमाल होता है। जबकि बलोच आबादी पर पाकिस्तानी सुरक्षा बल बर्बर अत्याचार करते हैं। विरोध करने वालों को गायब कर दिया जाता है या अघोषित रूप से जेल में डाल दिया जाता है।

➤संयुक्त राष्ट्र के डर्बन घोषणा और योजना कार्य दल के समक्ष बलोच वॉयस एसोसिएशन के प्रमुख मेंगल ने कहा सेना द्वारा चलाए जा रहे उच्च स्तरीय कैडेट कॉलेज में बच्चों को जो पहला पाठ पढ़ाया जा रहा है।

ट्रंप और बिडेन में से आखिर कौन बना है भारतीयों की पसंद, जानें- सर्वे में किसके नाम पर लगी मुहर

न्यूयॉर्क . अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में अब महज कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में एक सर्वे सामने आया है। ये सर्वे वहां पर रहने वाले भारतीयों को लेकर है। इस सर्वे में कहा गया है कि अधिकतर भारतीयों की पहली पसंद डेमोक्रेट पार्टी के प्रत्याशी जो बिडेन हैं। वहीं कुछ भारतीय डोनाल्ड ट्रंप के पक्ष में हैं तो कुछ किसी तीसरी पार्टी के प्रत्याशी को पसंद कर रहे हैं। ये सर्वे कहीं न कहीं डेमोक्रेट के पारंपरिक वोट की ही तरफ इशारा कर रहा है। आपको बता दें कि अमेरिका में बसे भारतीय डेमोक्रेट को वोट करते आए हैं। जानकार भी इस बात को कहते आए हैं। जानकारों का कहना है कि इस बार पीएम मोदी की बदौलत भारतीय रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी पसंद कर रहे हैं। ताजा सर्वे इसी बात को प्रमाणित करता है।

इंडियन अमेरिकन एटीट्यूड सर्वे को कारनेज एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस, जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी और पेनसिलवेनिया यूनिवर्सिटी ने मिलकर किया है। इसमें 936 भारतीयों से उनकी राय पूछी गई। ये सर्वे 1 सितंबर-20 सितंबर के बीच किया गया था। इसके मुताबिक सर्वे में शामिल 72 फीसद लोगों ने बीडेन को अपनी पसंद बताया जबकि 22 फीसद ने ट्रंप को अपनी पंसद बताया था। जबकि महज 3 फीसद लोगों ने तीसरी पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में अपना वोट देने की बात कही। आपको बता दें कि अमेरिका में 3 नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए मतदान होगा। एएनआई ने न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से लिखा है कि डेमोक्रेट पार्टी के फंड रेजर रमेश कपूर का कहना है कि हम यहां आ चुके हैं। भले ही वे भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लिए कर की बचत कर रहे हों, लेकिन जब अमेरिकी राष्ट्रपति एक निर्वाचित अधिकारी से कहते हैं कि घर जाओ, तो हमें डर लगता है। एनवाईटी के मुताबिक इस चुनाव में उप राष्ट्रपति पद के लिए खड़ी डेमोक्रेट पार्टी की भारतीय मूल की कमला हैरिस से भी बिडेन को फ्लोरिडा, मिशीगन और पेनसिलवेनिया में काफी मदद मिली है। इस सर्वे में ये भी बात निकलकर आई है कि अधिकतर भारतीय करीब 45 फीसद मानते हैं कि नवंबर में जब वोटिंग होगी तो उन्हें अच्छे खासे वोट मिलेंगे। जबकि 10 फीसद का मानना है कि उन्हें उम्मीद से कम वोट मिलेंगे। 40 फीसद का ये भी कहना है कि कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

Coronavirus Vaccine Update: रूस की दूसरी वैक्सीन EpiVacCorona को मंजूरी, राष्ट्रपति पुतिन की बड़ी घोषणा

➤Coronavirus Vaccine Update रूस में कोरोना वायरस के नए मामलों में हो रही वृद्धि के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की है कि रूस ने अपनी दूसरी कोरोना वैक्सीन को रजिस्टर करा लिया है। रूस में सरकार ने इस वैक्सीन को मंजूरी दे दी है।

मॉस्को. Coronavirus Vaccine Update, कोरोना महामारी संकट के बीच रूस ने बुधवार को एक बड़ी घोषणा की है। रूस में कोरोना वायरस के नए मामलों में हो रही वृद्धि के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की है कि रूस ने अपनी दूसरी कोरोना वैक्सीन को रजिस्टर करा लिया है। रूस में सरकार ने इस वैक्सीन को मंजूरी दे दी है। पुतिन ने कहा कि स्पुतनिक ङ्क के बाद, रूस ने एक और कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दे दी है। रूस ने शुरुआती ट्रायल के बाद दूसरी कोरोना वायरस वैक्सीन को मंजूरी दे दी है। इस वैक्सीन का नाम EpiVacCorona है।

राष्ट्रपति पुतिन ने कैबिनेट सदस्यों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी घोषणा की। पुतिन ने कहा कि नोवोसिबिर्स्क वेक्टर सेंटर ने आज कोरोना के खिलाफ दूसरी रूसी वैक्सीन रजिस्टर्ड की है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को सरकारी अधिकारियों के साथ एक टेलीविज़न बैठक के दौरान यह घोषणा की। पुतिन ने कहा कि हमें अब पहले टीके और दूसरे टीके का उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है। पुतिन ने कहा कि प्राथमिकता यह है कि अब वैक्सीन को बाजार की आपूर्ति के हिसाब से उतारा जाए।

पहली वैक्सीन भी रूस ने रजिस्टर कराया

रूस ने इससे पहले 11 अगस्त को दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन स्पुतनिक-ङ्क को रजिस्टर कराया था। अब करीब दो महीने बाद रूस के वैज्ञानिकों ने एक बार फिर दूसरी वैक्सीन को भी रजिस्टर कराया है। रूसी अधिकारियों ने प्रारंभिक चरण के अध्ययन के बाद दूसरा कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इससे पहले अगस्त में कहा था कि उनके देश ने स्पुतनिक-ङ्क नाम की पहली कोरोना वैक्सीन रजिस्टर कर ली है। फिलहाल ये वैक्सीन अपने ट्रायल के आखिरी चरण में है। हालांकि, दुनिया के कई वैज्ञानिकों ने इस वैक्सीन को जल्दबाजी में उतारी गई वैक्सीन बताते हुए इसकी आलोचना भी की थी।

कैसी है वैक्सीन

नया टीका सिंथेटिक वायरस प्रोटीन का उपयोग करके एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को ट्रिगर करता है, जबकि स्पुतनिक वी अनुकूलित एडेनोवायरस उपभेदों का उपयोग करता है। एक वायरस जो सामान्य सर्दी का कारण बनता है।

पेप्टाइड-आधारित, दो-शॉट वैक्सीन, एपीवीकोकोरोना, साइबेरिया में वेक्टर संस्थान द्वारा विकसित किया गया था और प्रारंभिक-चरण, प्लेसेबो-नियंत्रित मानव परीक्षणों में 100 स्वयंसेवकों के बीच परीक्षण किया गया था, जो दो महीने से अधिक समय तक चला था और दो सप्ताह पहले पूरा हो गया था। स्वयंसेवकों की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अनीता हसनंदानी (Anita Hassanandani) ने इन तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें वो अपने पति के साथ नजर आ रही हैं.

अनीता हसनंदानी

ने वेडिंग एनिवर्सरी पर सेलीब्रेट किया बेबीमून, सबसे बड़े बच्चे के कराए दीदार

बॉलीवुड और टीवी एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी जल्द ही मम्मी बनने वाली हैं. शादी के 7 सालों के बाद उनके घर पर ये खुशियां आ रही हैं. अपने आने वाले बच्चे के लिए अनीता और उनके पति रोहित शेट्टी काफी एक्साइटेड हैं. 14 अक्टूबर को उनकी शाद को 7 साल पूरे हो गए हैं, इस मौके पर उन्होंने बेबीमून सेलीब्रेट किया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने खुद सोशल मीडिया रक शेयर कीं.

अनीता हसनंदानीने इन तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें वो अपने पति के साथ नजर आ रही हैं.

तस्वीरों को शेयर करते हुए अनीता ने लिखा, स्वाइप कीजिए. आपको तस्वीरों में सबसे बड़ा बेबी भी नजर आएगा.

अनीता के आस-पास ढेर सारे काले-सफेद और गोल्डन कलर के गुब्बारे बिखरे नजर आ रहे हैं. तस्वीरों में अनीता ब्लैक कलर का पोल्का डॉट्स वाला आउटफिट पहने नजर आ रही हैं. तस्वीरों में अनीता का बेबी बंप साफ नजर आ रहा है.

अनीता हसनंदानी के पति रोहित रेड्डी ने सोशल मीडिया पर अपनी और अनीता की नई फोटोज को शेयर किया है. इन तस्वीरों में अनीता नेवी ब्लू रंग की खूबसूरत सी ड्रेस में नजर आ रही हैं. अनीता और रोहित की इन तस्वीरों को यूजर काफी पसंद कर रहे हैं.

इन दोनों की शादी 14 अक्टूबर 2013 को हुई थी. अपनी और अनिता की पहली मुलाकात के बारे में रोहित बताते हैं कि उनका प्यार लव एट फर्स्ट साइट था. वो दोनों एक ही जिम में जाते थे, जिसके बाद उन्होंने एकदिन अनिता को एक पब के बाहर अपनी गाड़ी का इंतजार करते हुए देखा था. उन्होंने देखते ही उन्हें अप्रोच करने का फैसला लिया था.

अपने प्यार का इजहार करने के लिए उन्होंने फेसबुक का सहारा भी लिया था, जिसके बाद उन्होंने सालों तक एक दूसरे को डेट करने के बाद 2013 में शादी की, दोनों ने नच बलिए में भी पावर कपल के तौर पर पार्टिसिपेट किया था.

अनीता के दोस्तों उनकी बेबीमून की तस्वीरों को देखकर उन्हें बधाई दी. अनीता के दोस्त अदा खान, रिद्धिमा पंडित, माही विज, सौम्या टंडन, एली गोनी, वाहबिज दोराबजी और कई अन्य कलाकारों द्वारा सोशल मीडिया पर बधाईयों का तांता लग गया.

KBC की हॉट सीट पर सोलन का आशीष, अमिताभ बच्चन ने पूछा श्रीखंड महादेव को लेकर सवाल

. हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले का युवक आशीष शर्मा बुधवार को सोनी टीवी पर प्रसारित पॉपुलर शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (Kaun Banega Crorepati) की हॉट सीट (Hot Seat) पर पहुंचे. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी (Chandigarh University) से बीएससी (एग्रीकल्चर) की पढ़ाई कर रहे आशीष से बिग बी अमिताभ बच्चन (Amitabh Bacchan) ने शो की शुरुआत में कुछ सवाल किए, जिनके आशीष ने सही जवाब दिए.

शो के दौरान आशीष और बिग बी में मशरूम सिटी ऑफ इंडिया के नाम से मशहूर सोलन और मशरूम की चर्चा हुई. इस दौरान हिमाचल के देव स्थलों को भी छोटे पर्दे पर दिखाया गया.

श्रीखंड को लेकर पूछा सवाल

अभिनेता और होस्ट अमिताभ बच्चन ने हिमाचल के कुल्लू जिले के मशहूर धार्मिकल स्थल की फोटो पर आशीष से सवाल किया और तस्वीर की लोकेशन के बारे में पूछा. इस पर आशीष ने बताया कि यह मशहूर धार्मिक स्थल श्रीखंड महादेव की तस्वीर है. शो के दौरान आशीष के साथ उनकी माता पूनम देवी भी मौजूद रहीं. बता दें कि श्रीखंड महादेव कुल्लू जिले से अमरनाथ की तरह एक धार्मिक यात्रा है. इस यात्रा के दौरान 32 किमी का पैदल सफर करना पड़ता है, तब जाकर श्रीखंड महादेव पहुंचते हैं. यह धार्मिक यात्रा दुनिया की कठिनतम यात्राओं में एक मानी जाती है, क्योंकि इसका मार्ग काफी दुर्गम और कठिन है.

लॉकडाउन पर चर्चा

शो में आशीष ने अमिताभ बच्चन के साथ लॉकडाऊन के दौरान बीते समय को साझा करते हुए कहा कि इस दौरान उन्हें परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिला. 20 साल के आशीष की मां टीचर हैं और पिता फार्मासिस्ट. आशीष से अमिताभ बच्चन ने हिमाचल के बारे में जाना और इस दौरान हिमाचली धाम में बनने वाली प्रचलित कढ़ी का भी जिक्र किया. गुरुवार को आशीष आगे का खेल खेलेंगे. आशीष के केबीसी में शिरकत करने पर उनके जिले में खुशी की लहर है.

Bigg Boss 14: क्या गौहर ख़ान पर फिदा हो गए हैं एज़ाज ख़ान अभिनव शुक्ला से बताई दिल की बात

बिग बॉस के घर में अगर प्यार और रोमांस ना हो, तो सीज़न में मज़ा नहीं आता है। अभी तक कोई भी ऐसा सीज़न नहीं गया है, जिसमें रोमांस का तड़का ना देखने को मिला हो। लोग यहां अपनी जोड़ियां बनाकर निकलते हैं। बिग बॉस के 14वें सीज़न (Bigg Boss 14) में ऐसा होता दिख रहा है। इस काम का जिम्मा तनु वेड्स मनु फेम एक्टर एज़ाज ख़ान ने अपने कंधे पर उठा रखा है।

गौहर ख़ान पर हुआ क्रश

एजाज का दिल किसी और पर नहीं, बल्कि बिग बॉस की विनर रह चुकीं गौहर ख़ान पर आया है। नए सीज़न में गौहर ख़ान की एंट्री बतौर तूफानी सीनियरसंहुई है। गौहर को लेकर अपनी फीलिंग के बारे में एज़ाज ने अभिनव शुक्ला के साथ बात की। बीते एपिसोड में दिखाया गया कि अभिनव और एज़ाज इस मुद्दे पर बात कर रहे थे। एज़ाज ने अभिनव को बताया कि उनका गौहर पर क्रश है। अभिनव ने एज़ाज की खीचाई की और साथ ही में आगे बढ़ने को कहा।

एज़ाज ने गौहर को बताया हॉट

अभिनव ने कहा कि अगर ऐसा होता है, तो पहली बार होगा, जब सीनियर्स और फ्रेशर्स में अफेयर होगा। एज़ाज ने अभिनव से बताया कि एक दिक्कत है। जब किसी पर उनका क्रश होता है, तो वह ऑकवर्ड हो जाते हैं। इस बातचीत के दौरान एज़ाज ने गौहर को हॉट बताया। वहीं, अभिनव ने इसके साथ सेंसिबल शब्द भी जोड़ा। हालांकि, जब शहज़ाद आए, तो एज़ाज ने टॉपिक पर चर्चा बंद कर दी।

बिग बॉस के घर में रोमांस कर चुकीं है गौहर ख़ान

अगर एज़ाज और गौहार का प्यार परवान चढ़ता है, तो यह बिग बॉस में पहली बार नहीं होगा। गौहर ख़ान ने जब बिग बॉस के घर में एंट्री ली थी, तब उनके और कुशाल टंड़न के बीच नजदीकियां देखी गई थीं। बाहर आने के बाद दोनों पर गाना फ़िल्माया गया था। वहीं, इस सीज़न के शुरुआत में पवित्रा पूनिया और एज़ाज का नाम एक साथ लिया जा रहा था। अब देखना होगा कि आगे यह रोमांस क्या गुल खिलाता है

Sanjay Dutt On Cancer Diagnosis: कैंसर से पीड़ित संयज दत्त की मीडिया से ख़ास अपील, कहा- बीमार नहीं हूं

बॉलीवुड के संजू बाबा यानी संजय दत्त बीते कुछ वक्त से कैंसर की खबरों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अगस्त में ये खबर आई थी कि संजय दत्त लंग कैंसस के 4 स्टेज से गुजर रहे हैं। इसके बाद इलाज के लिए मुंबई के अस्पताल में भी भर्ती कराया गया। इस दौरान संजय दत्त की हेल्थ को लेकर उनके परिवार की तरफ से लगातार अपडेट सामने आए। इसी बीच अब संजय दत्त का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में संजय दत्त मीडिया से अपनी बीमारी को लेकर बात कर रहे हैं। संजय दत्त का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एक्टर संजय दत्त का हाल ही में एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वह हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम के सलून से बाहर आते नजर आ रहे हैं। उन्हें देखकर फोटोग्राफर उनसे बात करते हैं। संजय जब बाहर आते हैं तो मास्क उनके हाथ में होता है। इस पर फोटोग्राफर कहते हैं कि बाबा मास्क पहन लीजिए। संजय उनकी बात बिना काटे मास्क पहन लेते हैं और फिर फोटोग्राफर उनकी फोटो क्लिक करते हैं। इसके बाद आप वीडियो में सुन सकते हैं कि संजय दत्त मीडिया कर्मियों से कहते हैं, अभी मैं बीमार नहीं हूं, ऐसा मत लिखना। इसके बाद सभी जोर जोर से हंसने लगे। वह वीडियो में फोटोग्राफर को पोज देते नजर आ रहे हैं। वहीं इस दौरान संजय दत्त ब्लैक टी-शर्ट और ब्राउन पैंट में नरज आ रहे हैं। वहीं उन्होंने ब्लैक कलर का चश्मा भी लगाया हुआ है। वहीं संजय का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो को हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक नए वीडियो में संजय दत्त ने कहा कि वह पहले से ही इसपर काम कर रहे है और जल्द ही कैंसर को हरा देंगे। संजय दत्त कहते है, हाय, मैं संजय दत्त हूं। सैलून में वापस आकर अच्छा लगा। बाल कटवाने आया हूं। यदि आप इसे देख रहे हैं, तो यह मेरे जीवन का हालिया निशान है, लेकिन मैं इसे हरा दूंगा। मैं जल्द ही इस कैंसर से बाहर निकलूंगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भाजपा ने कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग की रिपोर्ट के जरिए विपक्षी दलों पर साधा निशाना

नयी दिल्ली। भाजपा ने बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधने के लिए कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग की एक रिपोर्ट का सहारा लिया और आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टियों ने गरीब मुस्लिमों की वक्फ की जमीन को लूट लिया। भाजपा प्रवक्ता राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में संकेत दिया है कि कर्नाटक में 29,000 एकड़ से अधिक वक्फ की जमीन को व्यावसायिक उपयोग के लिए 'गुप्त और अवैध तरीके से' हस्तांतरित किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि रिपोर्ट 2012 में तैयार की गयी थी, लेकिन इसे आठ साल बाद और दो 'धर्मनिरपेक्ष सरकारों' के कार्यकाल के बाद इस साल सितंबर में विधानसभा में पेश किया गया। चंद्रशेखर ने कहा कि अन्य राज्यों में भी वक्फ की जमीन की ऐसी अनियमितताओं के मामले में जांच होनी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि कर्नाटक में इस मामले में जांच होगी। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों के बीच डर पैदा करने वाले और उनके स्वयंभू संरक्षक बनने वाले लोगों ने उनका उत्पीड़न किया। भाजपा नेता ने इन अनियमितताओं के कथित लाभार्थियों में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और सी एम इब्राहिम के नाम लिये।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने तुर्कमेनिस्तान के अपने समकक्ष बर्दीमुहम्मदोव से की बात, द्विपक्षीय संबंधों पर हुई चर्चा

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बृहस्पतिवार को तुर्कमेनिस्तान के अपने समकक्ष गुरबंगुली बर्दीमुहम्मदोव के साथ दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक क्षेत्रों में मौजूद अपार संभावनाओं पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि उन्होंने भारत और तुर्कमेनिस्तान की कंपनियों के बीच सहभागिता की सफलता पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार कोविंद को तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति बर्दीमुहम्मदोव ने टेलीफोन किया। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और सभ्यतागत संपर्कों के जरिये मजबूत और सौहार्दपूर्ण संबंधों को स्वीकार किया। इसमें कहा गया है कि नेताओं ने व्यापार और आर्थिक क्षेत्रों में मौजूद अपार संभावनाओं पर सहमति व्यक्त की और भारतीय और तुर्कमेनिस्तान की कंपनियों, विशेष रूप से दवा क्षेत्र में, के बीच सहभागिता की सफलता का उल्लेख किया। कोविंद ने तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति को उन्हें टेलीफोन करने और भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के वास्ते उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया।

दिल्ली पुलिस ने हाई कोर्ट को दी जानकारी, कहा- दंगों के आरोपी के बयान की सूचना नहीं की लीक

नयी दिल्ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र के बयान की सूचना उसके अधिकारियों ने मीडिया में लीक नहीं की। छात्र को फरवरी में संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में आयोजित प्रदर्शन के दौरान उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुई सांप्रदायिक हिंसा के एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) ने हलफनामा दायर कर न्यायमूर्ति विभु बाखरू को सूचित किया कि दिल्ली पुलिस भी अखबार की खबर से व्यथित है जिसमें जेएमआई विश्वविद्यालय के छात्र आसिफ इकबाल तान्हा का कथित स्वीकारोक्ति बयान लीक हुआ था। वकील अमित महाजन एवं रजत नैयर के मार्फत दायर पुलिस हलफनामे में कहा गया कि जांच में शामिल किसी भी अधिकारी ने मीडिया को सूचना लीक नहीं की। हलफनामे पर गौर करने के बाद उच्च न्यायालय ने ज़ी न्यूज के वकील से कहा कि बयान के स्रोत का खुलासा करें। न्यायाधीश ने कहा, ''आपने राष्ट्रीय चैनल पर खुलासे वाले बयान दिखाए हैं। पुलिस ने कहा कि उसने इसे जारी नहीं किया तो आपने इसे कहां से प्राप्त किया।''

पंढरपुर में दीवार गिरने से छह लोगों की मौत, अजीत पवार ने दिए जांच के आदेश

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने पंढरपुर कस्बे में दीवार गिरने से हुई छह लोगों की मौत की घटना के बृहस्पतिवार को जांच के आदेश दिये। उन्होंने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने का भी निर्देश दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पवार ने कोंकण, पश्चिमी और मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्र में मौके का मुआयना कर भारी बारिश से फसलों और मकानों को हुई क्षति का आकलन करने को कहा है। सोलापुर जिले के पंढरपुर कस्बे में भारी बारिश के कारण चन्द्रभागा नदी के तट पर बनी दीवार के गिरने से बुधवार को छह लोगों की मौत हो गयी। बुधवार को मुंबई, ठाणे, पुणे, सोलापुर और कोल्हापुर सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई भारी बारिश से कई जगहों पर जलजमाव और कहीं-कहीं बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। राज्य में बाढ़ के हालात की समीक्षा के लिए मंत्रालय में आयोजित बैठक के दौरान पवार ने पंढरपुर घटना की जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

नोएडा सेक्टर 10 स्थित एक कार्यालय में लगी आग, दमकलकर्मियों ने 12 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

नोएडा। नोएडा सेक्टर 10 स्थित एक चार मंजिला इमारत की तीसरी मंजिल पर बृहस्पतिवार सुबह आग लग गई, दमकल कर्मियों ने चौथी मंजिल पर में फंसे 12 लोगों को सकुशल बाहर निकाला। मुख्य दमकल अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि ए- 7 सेक्टर 10 में एक चार मंजिला इमारत की तीसरी मंजिल पर आईटी का कार्यालय है, यह कार्यालय मार्च से बंद है। उन्होंने बताया कि बंद पड़े कार्यलय में आज सुबह शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई।

हाथरस मामले में सुप्रिम कोर्ट ने कहा- उच्च न्यायालय करे जांच की निगरानी, कोई समस्या हुई तो हम हैं ही

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि हाथरस मामले की निगरानी इलाहाबाद उच्च न्यायालय को करने को दी जाएगी। इस मामले में एक दलित लड़की का कथित रूप से बर्बरतापूर्ण तरीके से बलात्कार किया गया था और बाद में उसकी मृत्यु हो गयी थी। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ इस मामले को लेकर दायर जनहित याचिका और कार्यकर्ताओं तथा वकीलों के हस्तक्षेप के आवेदनों पर सुनवाई कर रही थी। पीठ से कहा गया कि उत्तर प्रदेश में निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं है क्योंकि पहले ही जांच कथित रूप से चौपट करदी गयी है।

पीठ ने इस आशंका को दूर करते हुये कहा, ''उच्च न्यायालय को इसे देखने दिया जाये। अगर कोई समस्या होगी तो हम यहां पर हैं ही।'' इस मामले में सुनवाई के दौरान सालिसीटर जनरल तुषार मेहता, वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे, इन्दिरा जयसिंह और सिद्धार्थ लूथरा सहित अनेक वकील विभिन्न पक्षों की ओर से मौजूद थे। इस मामले में कई अन्य वकील भी बहस करना चाहते थे लेकिन पीठ ने कहा, ''हमे पूरी दुनिया की मदद की आवश्कता नहीं है।'' सुनवाई के दौरान पीड़ित की पहचान उजागर नहीं करने से लेकर उसके परिवार के सदस्यों और गवाहों को पूरी सुरक्षा और संरक्षण जैसे मुद्दों पर बहस हुयी। पीड़ित के परिवार के वकील ने इस मामले की सुनवाई उप्र से बाहर राष्ट्रीय राजधानी की अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की।

वरिष्ठ अधिवक्ता इन्दिरा जयसिंह ने भी इस मामले की उप्र में निष्पक्ष सुनवाई को लेकर अपनी आशंका व्यक्त की और गवाहों के संरक्षण का मुद्दा उठाया। इससे पहले, सुनवाई शुरू होते ही सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने उप्र सरकार द्वारा दाखिल हलफनामे का जिक्र किया जिसमे पीड़ित के परिवार और गवाहों को प्रदान की गयी सुरक्षा और संरक्षण का विवरण दिया गया था। राज्य सरकार ने न्यायालय के निर्देश पर इस हलफनामे में गवाहों की सुरक्षा के बारे में सारा विवरण दिया है। राज्य सरकार इस मामले को पहले ही सीबीआई को सौंप चुकी है और उसने शीर्ष अदालत की निगरानी के लिये भी सहमति दे दी है।

मेहता ने न्यायालय के आदेश पर अमल करते हुये हलफनामा दाखिल करने का जिक्र करते हुये कहा कि पीड़ित के परिवार ने सूचित किया है कि उन्होंने वकील की सेवायें ली हैं और उन्होंने राज्य सरकार के वकील से भी उनकी ओर से मामले को देखने का अनुरोध किया है। उप्र के पुलिस महानिदेशक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि पीठ से अनुरोध किया गया है कि गवाहों की सुरक्षा के लिये सीआरपीएफ तैनात की जानी चाहिए। साल्वे ने कहा, ''महोदय आप जिसे भी चाहें, सुरक्षा सौंप सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि इसे राज्य सरकार पर किसी प्रकार का आक्षेप नहीं माना जाना चाहिए।

मेहता ने कहा, ''राज्य पूरी तरह से अपक्षतपातपूर्ण है।'' पीड़ित के परिवार की ओर से पेश अधिवक्ता सीमा कुशवाहा ने कहा कि वे चाहते है कि जांच के बाद इसकी सुनवाई दिल्ली की अदालत में करायी जाये। उन्होंने कहा कि जांच एजेन्सी को अपनी प्रगति रिपोर्ट सीधे शीर्ष अदालत को सौंपने का निर्देश दिया जाये। मेहता ने कहा कि सही स्थिति तो यह है कि राज्य सरकार पहले ही कह चुकी है कि उसे कोई आपत्ति नहीं है और कोई भीजांच कर सकता है। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने 10 अक्टूबर से जांच अपने हाथ में ली है। मेहता ने कहा कि पीड़ित की पहचान किसी भी स्थिति में सार्वजनिक नहीं की जानी चाहिए क्योंकि कानून इसकी अनुमति नही देता है। सालिसीटर जनरल ने कहा, ''कोई भी ऐसा कुछ नहीं लिख सकता जिसमें पीड़ित का नाम या और कुछ हो जिससे उसकी पहचान का खुला हो सकता हो।'' एक हस्तक्षेपकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता इन्दिरा जयसिंह ने कहा कि इस समय आरोपी को नहीं सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें उप्र राज्य में निष्पक्ष सुनवाई की उम्मीद नहीं है। जांच पहले ही चौपट की जा चुकी है।'' उन्होंने कहा, ''पीड़ित के परिवार और गवाहों को उप्र द्वारा को दी गयी सुरक्षा से हम संतुष्ट नहीं है। उन्नाव मामले की तरह इसमें भी सुरक्षा सीआरपीएफ को दी जानी चाहिए।'' एक आरोपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि इस मामले का सारा विवरण पूरी मीडिया में है।

पीठ ने लूथरा से कहा, ''आप अधिकार क्षेत्र वाले उच्च न्यायालय जायें।'' सालिसीटर जनरल ने एक संगठन द्वारा दायर आवेदन का विरोध किया जिसमे हाथरस घटना की जांच सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया गया है। मेहता ने कहा, ''न्यायालय को यह निर्देश देना चाहिए कि किसी को भी पीड़ित के नाम पर धन एकत्र नहीं करना चाहिए। हमने पहले यह देखा है। मैं इस आवेदन का विरोध कर रहा हूं।''

एक हस्तक्षेपकर्ता ने कहा कि इस मामले की जांच न्यायालय की निगरानी में विशेष जांच दल से करायी जानी चाहिए। हाथरस के एक गांव में 14 सितंबर को 19 वर्षीय दलित लड़की से अगड़ी जाति के चार लड़कों ने कथित रूप से बलात्कार किया था। इस लड़की की 29 सितंबर को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी थी। पीड़ित की 30 सितंबर को रात के अंधेरे में उसके घर के पास ही अंत्येष्टि कर दी गयी थी। उसके परिवार का आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने जल्द से जल्द उसका अंतिम संस्कार करने के लिये मजबूर किया। स्थानीय पुलिस अधिकारियों का कहना था कि परिवार की इच्छा के मुताबिक ही अंतिम संस्कार किया गया।

स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में बोले अशोक गहलोत, 2020 को जीवन बचाने के वर्ष के रूप में लें

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृस्पतिवार को कहा कि 2020 को जीवन बचाने के वर्ष के रूप में लें। गहलोत ने स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा, ''वर्ष 2020 को जीवन बचाने के वर्ष के रूप में लें, जीवन बचेगा तो सब बातें ठीक होंगी, सब मांगें भी होंगी, सब सुविधाएं भी मिलेंगी, नवाचार भी होगा और सब कुछ होगा, पर जीवन में बडा संकट है....हमारे राजस्थान में रिकवरी रेट (ठीक होने की दर) बहुत शानदार है। मृत्यु दर एक प्रतिशत के आसपास है।'' उन्होंने कहा कि इलाज के लिए आधारभूत ढांचे को लेकर कोई कमी नहीं छोडी जा रही है। उन्होंने कहा, ''अंग्रेजी आजकल अंतरराष्ट्रीय बन गई है। अंग्रेजी को सीखने पर छात्र में एक विश्वास बना रहेगा। अगले बजट में जितनी मांग अंग्रेजी के स्कूलों की है, उसमें जितने अंग्रेजी के अध्यापकों की आवश्यकता है, उसकी व्यवस्था अभी से सोच लें और मांग के अनुसार अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोले जायें।'' उन्होंने राज्य में महात्मा गांधी के नाम से शुरू किये गये अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों का जिक्र करते हुए कहा कि महात्मा गांधी के नाम से आज हर जगह अंग्रेजी विद्यालयों की मांग हो रही है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी एक ऐसी है जिसके बगैर काम चलता नहीं है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान में हिन्दी को प्राथमिकता मिलनी ही चाहिए लेकिन साथ में अगर एक और सीख सकते हैं तो अंग्रेजी भी सीखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 में लॉकडाउन के कारण राज्य की आर्थिक स्थिति खराब हुई और चिंता है कि आगे पानी, बिजली, स्वास्थ्य सड़कें, कैसे क्या करेंगे। अनलॉक के साथ-साथ कारोना वायरस से बचाना जरूरी है।

महिला सुरक्षा के दृष्टिगत हर थाने में एक महिला हेल्प डेस्क स्थापित की जाए: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिला सुरक्षा के दृष्टिगत हर थाने में एक महिला हेल्प डेस्क स्थापित की जाए। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लागू किया जा रहा 'मिशन शक्ति' अभियान शारदीय नवरात्रि से लेकर बासंतिक नवरात्रि तक निरन्तर चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिला एवं बालिका सुरक्षा के दृष्टिगत यह राज्य सरकार का एक विशेष अभियान है, जिसमें पुलिस सहित अन्य विभागों का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है।

एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को यहां लोक भवन में एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के दौरान इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को आत्मरक्षा के तरीकों के प्रति सजग और जागरूक किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों में इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करें और इसकी निगरानी भी करें और नोडल अधिकारी कार्यों की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी और सतर्कता अत्यन्त आवश्यक है, अतः इसमें कोई भी ढिलाई न बरती जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य में कोविड-19 संक्रमण की जांच की व्यवस्था लगातार सुदृढ़ की जा रही है, जिसके चलते आज तक प्रदेश में 1.25 करोड़ कोविड-19 जांच की जा चुकी हैं। 30 सितम्बर तक यह संख्या एक करोड़ थी, इस प्रकार 15 दिन में कोविड-19 जांच की संख्या में 25 लाख की बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने जनपद लखनऊ, कानपुर नगर व वाराणसी में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अस्पतालों में दवाई व मेडिकल से जुड़ी अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जल्द भारत आएगा राफेल लड़ाकू विमानों का दूसरा बेड़ा, आईएएफ की टीम फ्रांस पहुंची

नयी दिल्ली। राफेल लैड़ाकू विमानों के दूसरे बेड़े को शामिल करने की तैयारियों के तहत भारतीय वायुसेना ने साजो-सामान संबंधी मुद्दों को देखने और वहां सेंट-डिजियर वायुसेना केंद्र पर चुनिंदा पायलटों के प्रशिक्षण की समीक्षा के लिए अधिकारियों के एक दल को फ्रांस भेजा है। चार राफेल विमानों का दूसरा बेड़ा अगले चार सप्ताह में भारत पहुंच सकता है। पांच राफेल विमानों का पहला बेड़ा 29 जुलाई को भारत पहुंचा था। इससे करीब चार साल पहले भारत ने फ्रांस के साथ 59,000 करोड़ रुपये की लागत से, ऐसे 36 विमान खरीदने के लिए करार किया था। अधिकारियों ने कहा कि वायुसेना के कई दल जनवरी से अब तक फ्रांस का दौरा कर भारत केंद्रित शस्त्र प्रणालियों को शामिल करने सहित, राफेल परियोजना की प्रगति का अवलोकन कर चुके हैं। वायु सेना के राफेल परियोजना प्रबंधन दल का एक दफ्तर पेरिस में है जिसके प्रमुख ग्रुप कैप्टन रैंक के एक अधिकारी हैं। अधिकारियों ने कहा कि एयर स्टाफ के सहायक प्रमुख (परियोजना) के नेतृत्व में विशेषज्ञों का एक दल इस सप्ताह की शुरुआत में फ्रांस पहुंचा था। राफेल विमानों के पहले बैच को 10 सितंबर को वायुसेना में शामिल किया गया था। वायुसेना प्रमुख आर के एस भदौरिया ने पांच अक्टूबर को कहा था कि 2023 तक सभी 36 राफेल विमान वायु सेना में शामिल कर लिये जाएंगे। अभी तक भारत को दस राफेल लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की जा चुकी है जिनमें से पांच विमानों को वायु सेना के पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए फ्रांस में रोका गया है।

कुंभ पर उदित राज की टिप्पणी से खड़ा हुआ विवाद, भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता उदित राज ने बृहस्पतिवार को उस वक्त एक विवाद को जन्म दे दिया जब उन्होंने कहा कि कुंभ मेले के आयोजन पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर सेपैसा खर्च किया जाना गलत है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनकी इस टिप्पणी से कांग्रेस का कोई लेनादेना नहीं है, क्योंकि यह उनकी निजी राय है और वह अपनी इस टिप्पणी पर बहस के लिए तैयार है। इसको लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि यही गांधी परिवार की सच्चाई है।

उधर, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि उदित राज का बयान उनकी निजी राय है और पार्टी उससे सहमत नहीं है। पूर्व सांसद उदित राज ने ट्वीट किया, ''सरकार द्वारा किसी भी तरह की धार्मिक शिक्षा या अनुष्ठान के लिए पैसा नहीं दिया जाना चाहिए।सरकार का अपना कोई धर्म नहीं होता है। उप्र सरकार इलाहाबाद में कुंभ मेले के आयोजन पर 4200 करोड़ रुपये खर्च करती है, वह भी गलत है। विवाद बढ़ने के बाद उदित राज ने कुछ देर में अपने ट्वीट को डिलीट कर दिया, हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने इस इसे फिर बहाल कर दिया। उन्होंने कहा, ''मैं ट्वीट को बहाल कर रहा हूं और संवाद के लिए तैयार हूं। जब भी राजनीतिक मामला होता है तो कांग्रेस को टैग करता हूं। इसमें नही किया था, क्योंकि व्यक्तिगत विचार है। बिना वजह पार्टी को घसीटा जा रहा है। डॉक्टर अम्बेडकर मानते थे कि राजनीति और धर्म का मिश्रण नही होना चाहिए।'' भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने इसको लेकर ट्वीट किया, ''मित्रों ये है गांधी परिवार की सच्चाई।

भारत ने पाकिस्तान को वार्ता की इच्छा व्यक्त करते हुए कोई संदेश नहीं भेजा है: विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली। भारत ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के इस दावे को खारिज कर दिया कि नयी दिल्ली ने दोनों देशों के बीच बातचीत की इच्छा का संकेत देते हुए इस्लामाबाद को संदेश भेजा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, ''कथित संदेश के संबंध में, मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हमारी तरफ से ऐसा कोई संदेश नहीं भेजा गया।'' वह एक मीडिया ब्रीफिंग में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ द्वारा 'द वायर' समाचार वेबसाइट को दिये गये साक्षात्कार के संबंध में पूछे गये प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। यूसुफ ने साक्षात्कार में कश्मीर समेत अनेक मुद्दों पर टिप्पणी की।

श्रीवास्तव ने कहा, 'हमने पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा एक भारतीय मीडिया संस्थान को दिये गये साक्षात्कार की खबरें देखी हैं। उन्होंने भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी की है।' उन्होंने कहा, ''हमेशा की तरह यह पाकिस्तान की मौजूदा सरकार की घरेलू विफलताओं से ध्यान हटाने की तथा रोजाना सुर्खियों में भारत को खींचकर उसके घरेलू घटकों को गुमराह करने की कोशिश है।' श्रीवास्तव ने कहा कि अधिकारी को सलाह दी जाती है कि अपनी सलाह अपने देश तक सीमित रखें और भारत की घरेलू नीति पर टिप्पणी नहीं करें।

कलाम दूरद्रष्टा नेता थे जो एक मजबूत, आत्मनिर्भर भारत देखना चाहते थे: अमित शाह

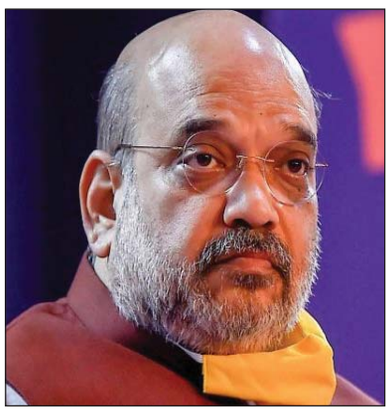

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे कलाम को उनकी जयंती पर याद करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि वह ऐसे दूरद्रष्टा नेता थे जिन्होंने हमेशा एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना चाहा। शाह ने ट्वीट कर कहा, ''भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर स्मरण कर रहा हूं। वह ऐसे दूरद्रष्टा नेता और भारत के अंतरिक्ष और मिसाइल कार्यक्रम के प्रणेता थे, जिन्होंने हमेशा एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना चाहा। विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी अमिट विरासत प्रेरणा का सारसंग्रह है।''

वर्ष 2002 से 2007 तक देश के 11वें राष्ट्रपति रहे अबुल पाकिर जैनुलआबदीन अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम शहर में हुआ था। भारत ने 1998 में जब पांच परमाणु परीक्षण किए थे तब डॉ. कलाम रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के महानिदेशक थे और इस नाते वह परमाणु परीक्षण कर रही टीम का नेतृत्व कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि पोखरण में 1974 में किए गए पहले परीक्षण के बाद 1998 में दूसरी बार परीक्षण किया गया था और उस समय केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार थी।

बिहार की जनता से नड्डा बोले, बड़े-बड़े वादों एवं गलतफहमी से बचें, विकास के विरोधियों को पहचाने

काराकाट (बिहार)। (एजेंसी)।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बिहार की जनता से बड़े-बड़े वादों एवं गलतफहमी से बचने की अपील करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) वाले विकास का नया नक्शा लेकर आए हैं, लेकिन इसी दल के शासन में अपराधियों को संरक्षण मिलता था। विपक्ष पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा, '' अगर उजाले की इज्जत करनी है, तो अंधेरे की कठिनाई को पहचानना होता है। विकास करना है तो विकास के विरोधियों को भी पहचानना जरूरी है। काराकाट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि चुनाव में बड़े-बड़े वादे करके लोगों को लुभाया जाता है, कई बार तो जनता पशोपेश में पड़ जाती है कि वोट किसे दें। उन्होंने कहा कि कभी भी वोट इस आधार पर मत दीजिए कि वो प्रत्याशी और उसकी पार्टी आगे चलकर क्या करेगी। वोट इस आधार पर देना चाहिए कि प्रत्याशी ने और उसकी पार्टी ने अब तक क्या किया है।

लोगों से गलफहमी से बचने की अपील करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा, '' आज राजद वाले विकास का नया नक्शा लेकर आ रहे हैं। उन्हें प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना चाहिए, क्योंकि मोदी जी ने उन्हें भी विकास का अर्थ सिखा दिया है।'' उन्होंने लोगों को चेताया कि राजद वही दल है जिसके राज में शहाबुद्दीन को राजनीतिक संरक्षण मिलता रहा और नीतीश कुमार की जब सरकार आई तब शहाबुद्दीन को जेल भेजा गया। लालू प्रसाद की पार्टी राजद के शासनकाल की याद दिलाते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वो दिन याद हैं जब पटना के डाक बंगला चौराहे पर शाम सात बजे के बाद खड़े नहीं हो सकते थे। उन्होंने राजद के शासन के दौरान कानून व्यवस्था की खराब स्थिति और कारोबारियों के प्रदेश छोड़कर जाने का भी जिक्र किया। नड्डा ने कहा कि जाति, मजहब और वोटबैंक की राजनीति देश की संस्कृति बनी हुई थी। मोदीजी ने यह संस्कृति बदल दी है। बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को जनादेश देने की अपील करते हुए नड्डा ने कहा कि देश नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है और बिहार को नीतीश कुमार ने आगे बढ़ाने का काम कियाहै। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लिए 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये की घोषणा 2015 में की थी और वह इसका लेखाजोखा लेकर आए हैं। बिहार के पैकेज के खर्च का ब्यौरा देते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये तो खर्च किए ही गए हैं, साथ ही नरेंद्र मोदीने 40 हजार करोड़ रुपये और भी बिहार के विकास के लिए दिए हैं।

नड्डा ने अपने संबोधन के दौरान जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने, राम मंदिर के निर्माण शुरू होने और एक बार में तीन तलाक को समाप्त करने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से हम सभी की इच्छा थी कि भव्य राम मंदिर का निर्माण हो लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इसे लटकाना, अटकाना, भटकाना जारी रखा। उन्होंने कहा, '' हम धन्यवाद देते हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने फैसला किया, मोदी जी ने शिलान्यास किया और अब भव्य राममंदिर का निर्माण होगा।'' कृषि क्षेत्र में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि फसल की लागत का डेढ गुना एमएसपी किसान को देने का फैसला मोदी सरकार ने ही किया। भाजपा अध्यक्ष ने मखाना, भागलपुरी रेशम और मधुबनी पेंटिंग का जिक्र करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत के तहत इसे बढ़ावा दिया जायेगा। नड्डा ने कहा, '' राजनीति में भाषण देना बहुत आसान होता है, नारा लगाना बहुत आसान होता है, लेकिन गरीब जनता की सेवा वो ही कर सकता है जिसका 56 इंच का सीना होता है।''

कोविड-19 से निपटने और लोगों को राहत देने के सरकार के कदमों का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के 80 करोड़ लोगों को मार्च से लेकर छठ व दीवाली तक 5 किलो गेहूं या चावल और 1 किलो दाल मुफ्त देने की व्यवस्था की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)